twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

DD दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | बुधवार, 13 अगस्त, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 267, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

जस्टिस वर्मा के खिलाफ लोकसभा में महाभियोग प्रस्ताव मंजूर

स्पीकर ने 3 सदस्यीय कमेटी बनाई; कहा- आरोप गंभीर, पद से हटाने की कार्रवाई जरूरी

नई दिल्ली

कैश कांड मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला ने मंगलवार को महाभियोग प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। स्पीकर ने कहा, 'मुझे रविशंकर प्रसाद और विपक्ष के नेता समेत कुल 146 सदस्यों के हस्ताक्षर से प्रस्ताव मिला है।' उन्होंने बताया कि इस प्रस्ताव में इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा को पद से हटाने की मांग है। स्पीकर ने जांच के लिए 3 सदस्यीय कमेटी का ऐलान किया। इसमें सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट के 1-1 जज और 1 कानूनविद शामिल हैं। जांच समिति की रिपोर्ट आने तक यह महाभियोग प्रस्ताव लंबित रहेगा। इस साल 14 मार्च को जस्टिस यशवंत वर्मा के घर का वायरल वीडियो। इसमें अधजले 500-500 के नोटों को गड्डियां नजर आई थीं।

स्पीकर बिरला ने कहा- तथ्य करप्शन की तरफ इशारा कर रहे

'हमने न्यायाधीश जांच अधिनियम के प्रावधानों का अध्ययन किया है। हमने सुप्रीम कोर्ट के घोषित कानूनों के साथ-साथ कई अन्य फैसलों की जानकारी भी रखी है। सुप्रीम कोर्ट ने शिकायत को गंभीर प्रकृति का पाया है। इनहाउस प्रक्रिया का पालन किया।' 'चीफ जस्टिस ने इस मामले पर विचार करने के बाद जस्टिस वर्मा की प्रतिक्रिया और दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की प्रतिक्रिया पर राय बनाई कि इस पर गहन जांच जरूरी है। इसलिए एक 3 सदस्यों वाली कमेटी बनाई गई।' 'हमें याद है कि तत्कालीन सीजेआई ने यह रिपोर्ट पीएम और राष्ट्रपति को भेजी है। यह भी कहा है कि इस केस में पूर्व प्रावधानों के अनुसार काम किया है। समिति की रिपोर्ट में आरोप इस प्रकृति के हैं कि जस्टिस वर्मा को हटाने की कार्रवाई शुरू करने की जरूरत है।' 'स्वतंत्र जांच के बाद हमें यह पता चला है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 124 के तहत जज को हटाने की प्रक्रिया नियमों के अनुसार शुरू की जानी चाहिए। बेदाग चरित्र न्यायपालिका में एक आदमी के विश्वास की नींव है।

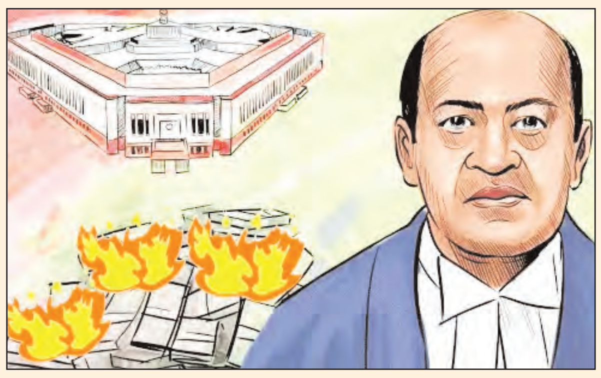

कमेटी के सदस्य हैं...

1.सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अरविंद कुमार
2.जस्टिस मनिंदर मोहन श्रीवास्तव, चीफ जस्टिस, मद्रास हाइकोर्ट
3. वरिष्ठ वकील बी वी आचार्य

ओम बिरला ने कहा, तीन सदस्यीय समिति है में सुप्रीम कोर्ट के एक मौजूदा न्यायाधीश, हाई कोर्ट के एक मौजूदा न्यायाधीश और एक कानूनी विशेषज्ञ शामिल होंगे। मुख्य न्यायाधीश ने इस गंभीर चौकन्ने वाले घटना और तथ्यों पर विचार करने के बाद और न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा की प्रतिक्रिया और दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की टिप्पणियों को ध्यान में रखते हुए यह राय बनाई कि इस विषय पर जांच आवश्यक है।

कैश कांड की होगी जांच

जस्टिस यशवंत वर्मा को पद से हटाने के लिए प्रक्रिया शुरू करने के लिए दिए गए प्रस्ताव को लोकसभा में स्वीकार कर लिया गया। जस्टिस वर्मा दिल्ली स्थित सरकारी आवास से जले हुए नोट मिलने के मामले में कमेटी जांच करेगी। कैश मिलने का मामला सामने आने के बाद उनका तबादला इलाहाबाद हाई कोर्ट में कर दिया गया था।

क्या है जस्टिस यशवंत वर्मा कैश कांड?

जस्टिस यशवंत वर्मा कैश कांड एक गंभीर न्यायिक भ्रष्टाचार मामला माना जा रहा है, जो 14 मार्च 2025 को दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास पर आग लगने के बाद सामने आया। इस घटना के दौरान, दमकलकर्मियों को उनके आवास से बड़ी मात्रा में बेहिसाब नकदी मिली थी, जिससे पूरे न्यायिक समुदाय में हड़कंप मच गया। इसके बाद जस्टिस वर्मा को दिल्ली हाई कोर्ट में किसी भी न्यायिक कार्य हटा दिया गया। फिर सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 20 मार्च 2025 को जस्टिस वर्मा को उनके मूल न्यायालय, इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया।

'केस में जुड़े तथ्य भ्रष्टाचार की तरफ इशारा करते हैं'

'संविधान के अनुच्छेद 124 के तहत इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज जस्टिस वर्मा को पद से हटाने का प्रस्ताव पेश करते हैं'

वर्तमान केस में जुड़े तथ्य भ्रष्टाचार की तरफ इशारा करते हैं और कार्रवाई के लिए प्रेरित करते हैं।' 'संविधान के अनुच्छेद 124 के तहत इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज जस्टिस वर्मा को पद से हटाने का प्रस्ताव पेश करते हैं। इस पर आगे की कार्रवाई की जाए। इसे उचित पाते हुए मैंने इसकी स्वीकृति दी है। मैंने जस्टिस वर्मा को पद से हटाने के आरोपों की जांच के लिए 3 सदस्यों की कमेटी बनाई है। कमेटी में सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस अरविंद कुमार, मद्रास हाईकोर्ट चीफ जस्टिस मनिंदर मोहन श्रीवास्तव और कर्नाटक हाईकोर्ट के सीनियर एडवोकेट बीवी आचार्य शामिल हैं।'

अब तक 6 बार लाया गया जज के खिलाफ महाभियोग

भारत में आजादी के बाद से अभी तक किसी भी जज को महाभियोग (इम्पीचमेंट) के जरिए हटाया नहीं गया है। हालांकि, महाभियोग प्रस्ताव करीब छह बार लाया गया, लेकिन केवल दो मामलों तक अभियोग पर सार्थक बहस हो सकी, लेकिन कोई भी जज हटाया नहीं गया।

जस्टिस वी. रामास्वामी (1993): सुप्रीम कोर्ट के जज से जुड़े अनियमित व्यवहार पर महाभियोग प्रस्ताव लोकसभा में आया, लेकिन दो-तिहाई समर्थन नहीं मिलने के कारण यह रद्द हो गया।

जस्टिस सौमित्र सेन (2011): कोलकाता हाईकोर्ट के जज पर धन का गबन करने के आरोप लगे। राज्यसभा ने महाभियोग प्रस्ताव पास किया, लेकिन लोकसभा में बहस से पहले ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया।

जस्टिस पीडी दिनाकरण (2011): भ्रष्टाचार व पद के दुरुपयोग के आरोपों के चलते प्रस्ताव पेश हुआ, लेकिन वे इस्तीफा दे चुके थे, इसलिए प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ी।

जस्टिस जेबी परदीवाला (2015): आरक्षण पर विवादास्पद टिप्पणी के लिए महाभियोग प्रस्ताव लाया गया, लेकिन बाद में विवादात्मक टिप्पणी हटने पर यह रद्द हो गया।

जस्टिस सीवी नार्गजुन रेड्डी (2017): दलित जज को टारगेट करने और वित्तीय गड़बड़ी के आरोप लगे, लेकिन सांसदों के समर्थन हट जाने पर प्रस्ताव रद्द हो गया।

चीफ जस्टिस दीपक मिश्रा (2018): उपचारात्मक प्रक्रिया का उपयोग किए जाने और जस्टिस लोया मामले में अनियमितताओं के आरोपों पर महाभियोग प्रस्ताव की तैयारी हुई, लेकिन राज्यसभा अध्यक्ष ने इसे पहले फेज में ही खारिज कर दिया।

स्ट्रीट डॉग्स पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का मेनका गांधी ने किया विरोध

नई दिल्ली

पशु अधिकार कार्यकर्ता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी ने सोमवार को दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश की कड़ी आलोचना की। उन्होंने इसे अव्यावहारिक और क्षेत्र के ईकोलाजिकल बैलेंस के लिए हानिकारक बताया। मेनका गांधी ने कहा कि इस आदेश के अमल पर लगभग 15,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे। क्या दिल्ली के पास इसके लिए इतनी राशि है? उन्होंने फैसले की वैधता पर भी सवाल उठाया और कहा कि एक महीने पहले ही सुप्रीम कोर्ट की एक अलग पीठ ने इसी मुद्दे पर एक संतुलित फैसला सुनाया था।

पेटा ने भी जताई चिंता

साथ ही कहा, 48 घंटों के भीतर गाजियाबाद और फरीदाबाद से तीन लाख कुत्ते आ जाएंगे क्योंकि दिल्ली में खाना है। जैसे ही आप कुत्तों को हटाएंगे, बंदर जमीन पर आ जाएंगे.. उन्होंने अपने घर में ऐसा होते देखा है। 1880 के आसपास पेरिस में जब कुत्तों और बिल्लियों को हटाया गया था तो शहर चूहों से भर गया था। उन्होंने कुत्तों को कुतरने वाले जीवों (रोडेंट एनिमल्स) का नियंत्रक कहा। पीपल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) इंडिया में वरिष्ठ निदेशक डॉ. मिनी अरविंदन ने कहा, 'कुत्तों को विस्थापित करना और आश्रय गृहों में डालना कभी कारगर नहीं रहा। इसके बजाय सरकार को नसबंदी और टीकाकरण कार्यक्रमों को मजबूत करना चाहिए, पालतू जानवरों की अवैध दुकानों व प्रजनकों को बंद करना चाहिए और गोद लेने को प्रोत्साहित करना चाहिए।' ह्यूमेन वर्ल्ड फॉर एनिमल्स इंडिया की प्रबंध निदेशक आलोकपर्णा सेनगुप्ता ने कहा कि पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रमों को बढ़ावा देने जैसी दीर्घकालिक रणनीतियां ही वैज्ञानिक रूप से सिद्ध समाधान हैं।

हम देश के हर नागरिक के संरक्षक हैं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को खुद को देश के सभी नागरिकों का 'संरक्षक' बताया। अदालत ने कई मामलों में जांच एजेंसियों की ओर से मुवक्किलों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों को तलब करने पर स्वतः संज्ञान लिया और अपना फैसला सुरक्षित रखा। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस दौरान पीठ ने टिप्पणी की, "हम देश के सभी नागरिकों के संरक्षक हैं।" पीठ ने मामले में अपना आदेश सुरक्षित रख लिया।

न्याय प्रशासन के एक हिस्से के रूप में वकीलों मिलना चाहिए संरक्षण

सुनवाई के दौरान मेहता ने कहा कि न्याय प्रशासन के एक हिस्से के रूप में वकीलों को संरक्षण दिया जाना चाहिए। किसी वकील के किसी अपराध में शामिल होने के मुद्दे पर, पीठ ने कहा कि उसने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ या उन्हें गढ़ने के संबंध में सलाह देने की उनकी सामान्य कार्यप्रणाली से कोई भी भटकाव उन्हें मिली प्रतिरक्षा को समाप्त कर देगा। मेहता ने कहा कि जांच एजेंसियों को कभी भी किसी वकील को पेशेवर राय देने के लिए नहीं बुलाना चाहिए।

बेजुबान पशु कोई समस्या नहीं, उन्हें हटाना क्रूरता: सांसद राहुल गांधी

नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने दिल्ली-एनसीआर से सभी आवारा कुत्तों को हटाने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर मंगलवार को प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि ये दशकों से चली आ रही मानवीय और साइंटिफिक पॉलिसी से पीछे ले जाने वाला कदम है। ये बेजुबान पशु कोई 'समस्या' नहीं हैं, जिन्हें हटाया जाए। राहुल ने पर लिखा, 'शेल्टर्स, नसबंदी, टीकाकरण और सामुदायिक देखभाल अपनाया जाना चाहिए। इससे बिना क्रूरता के भी डॉग्स को सुरक्षित रखा जा सकता है। पूरी तरह पाबंदी क्रूर-अदूरदर्शी है और हमारी दया-भावना को खत्म करता है। हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि जन सुरक्षा और पशु कल्याण दोनों कैसे साथ-साथ चलें।' दरअसल, 11 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर के नगर निकायों को निर्देश दिया है कि आवारा कुत्तों को तुरंत पकड़कर नसबंदी करें और उन्हें स्थायी रूप से शेल्टर होम में रखें। इसके लिए 8 हफ्ते का समय दिया। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली-एनसीआर के सभी आवारा कुत्तों को 8 हफ्ते के भीतर सड़क से हटाने और उन्हें विशेष शेल्टर होम में भेजने के निर्देश दिए थे। कोर्ट ने हिदायत दी कि ये कुत्ते सड़कों पर वापस नहीं लौटने चाहिए।

वोटर वेरिफिकेशन: पिक्चर अभी बाकी है: राहुल गांधी

एक नहीं, कई सीटों की वोटर लिस्ट में गड़बड़ी: राहुल

नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा, 'केवल एक सीट नहीं बल्कि बहुत सी सीटें हैं, जहां वोटर लिस्ट में गड़बड़ी की जा रही है। यह नेशनल लेवल पर सिस्टमेटिकली किया जा रहा है।' बिहार की अपडेट हुई वोटर लिस्ट में 124 साल की 'फर्स्ट टाइम' वोटर मिंता देवी के सवाल पर राहुल ने कहा- हां, मैंने उसके बारे में सुना है। ऐसे एक नहीं, अनलिमिटेड केसेस हैं। पिक्चर अभी बाकी है। चुनाव आयोग यह जानता है और हम भी जानते हैं। पहले कोई सबूत नहीं था, लेकिन अब हमारे पास सबूत हैं। हम संविधान की रक्षा कर रहे हैं। एक व्यक्ति एक वोट संविधान की नींव है। एउ का कर्तव्य है कि वो 'एक व्यक्ति एक वोट' को लागू करे, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। हम ऐसा करते रहे हैं और करते रहेंगे।

विपक्ष ने संसद से चुनाव आयोग तक मार्च निकाला था

वोटर वेरिफिकेशन और चुनाव में वोट चोरी के आरोप पर विपक्ष के 300 सांसदों ने सोमवार को संसद से चुनाव आयोग के ऑफिस तक मार्च निकाला था। इस दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव समेत कई विपक्षी सांसदों को हिरासत में लिया गया था।

हिरासत में लिए जाने के बाद राहुल गांधी ने कहा था- यह संविधान बचाने की लड़ाई है। ये एक व्यक्ति-एक वोट की लड़ाई है, इसलिए हमें साफ वोटर लिस्ट चाहिए।

यूपी: 255 राजकीय कॉलेजों के जर्जर भवनों के लिए मिले 52 करोड़

लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रोजेक्ट अलंकार योजना के अंतर्गत 22 जिलों के 255 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के जर्जर भवनों के पुनर्निर्माण हेतु 52 करोड़ 14 लाख रुपये की दूसरी किस्त जारी की है। जिला विद्यालय निरीक्षकों को गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है। धनराशि सीधे कार्यदायी संस्थाओं को दी जाएगी जिसका उपयोग भवनों के पुनर्निर्माण और आवश्यक सुविधाओं के विकास में

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने प्रोजेक्ट अलंकार योजना के तहत 22 जिलों के 255 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के जर्जर भवनों के पुनर्निर्माण, मरम्मत और आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए 52 करोड़ 14 लाख रुपये की दूसरी किस्त जारी कर दी है। शासन की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, संबंधित जिलों में जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआइओएस) कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता की जिम्मेदारी संभालेंगे। हर विद्यालय में निर्माण कार्य का भौतिक निरीक्षण नियमित रूप से किया जाएगा। प्रगति की जानकारी पोर्टल पर अपलोड करनी होगी। धनराशि सीधे कार्यदायी संस्थाओं को दी जाएगी और इसे किसी अन्य मद में इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। धनराशि लैप्स होने पर संबंधित अधिकारी जिम्मेदार होंगे। साथ ही, लेबर सेस का भुगतान श्रम विभाग को नियमानुसार किया जाएगा।

शिमला में आफत की बारिश, छह लोग मलबे की चपेट में आए

पेड़ गिरने से चकनाचूर हुई गाड़ियां

शिमला

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में भारी वर्षा के कारण कई जगह पर पेड़ गिरने से घरों व गाड़ियों को भारी नुकसान हुआ है। इसके अलावा भूस्खलन से भी शहर में भारी नुकसान हुआ है। शिमला में जोधा निवास के समीप पेड़ गिरने से कई गाड़ियां चपेट में आ गईं। पेड़ गिरने के कारण गाड़ियां चकनाचूर हो गई हैं। वहीं, अस्थायी घर (ढारा) गिरने से लोग मलबे की चपेट में आ गए। टूटीकंडी के समीप पांजडी में करीब आधा दर्जन पेड़ गिरे हैं, इससे कई गाड़ियां चकनाचूर हो गई हैं। इसके अलावा बिजली के खंभे भी पेड़ की जद में आए है।

इससे आसपास के क्षेत्रों में बिजली सप्लाई भी बाधित हो गई। इसके अलावा शिमला के विकासनगर हिमुडा कालोनी में भी एक पेड़ गाड़ियों पर गिरा।

'शर्मनाक!' सांसद प्रियंका गांधी पर भड़का इजरायल

इजरायल ने 25,000 से ज्यादा हमास के आतंकियों को भी मारा: अजार

प्रियंका ने गाजा पर पोस्ट करते हुए इजरायल को सुनाई थी खरी-खोटी

नई दिल्ली

संसद में फिलिस्तीन का बैग लेकर पहुंची प्रियंका गांधी ने एक बार फिर गाजा पर टिप्पणी करते हुए इजरायल की आलोचना की है। मगर, इस बार इजरायल ने प्रियंका पर पलटवार करते हुए उनपर सवाल खड़े किए हैं। भारत में इजरायल के राजदूत रियूवेन अजार ने प्रियंका गांधी के पोस्ट पर जवाब देते हुए कुछ तथ्य प्रस्तुत किए हैं। इसी के साथ इजरायल ने प्रियंका से हमास के आंकड़ों पर भरोसा न करने की अपील की है।

इजरायल ने दिया जवाब

प्रियंका की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए भारत में इजरायली राजदूत रेयूवेन अजार ने इसे शर्मनाक बताया है। उन्होंने कहा, "इजरायल ने 25,000 से ज्यादा हमास के आतंकियों को भी मारा है। हमास की कायरतापूर्ण तरीकों के कारण आम लोगों को इसकी कीमत चुकानी पड़ी है। हमले के समय हमास आम लोगों के बीच छिप जाता है। वो लोगों पर रॉकेट दागता है।" इजरायली राजदूत के अनुसार, "इजरायल ने गाजा में 2 मिलियन टन खाना भेजा, जिसे हमास ने जब्त कर लिया और गाजा में भुखमरी फैल गई। गाजा की आबादी पिछले 50 साल में 450 प्रतिशत बढ़ी है। वहां कोई नरसंहार नहीं हुआ। हमास के आंकड़ों पर ध्यान न दें।"

प्रियंका ने गाजा के पक्ष में दिया बयान

दरअसल प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए इजरायल पर नरसंहार करने का आरोप लगाया था। प्रियंका ने अपनी पोस्ट में लिखा, "इजरायल ने 60,000 से ज्यादा लोगों को मौत के घाट उतार दिया, जिसमें 18,430 बच्चे भी शामिल हैं। गाजा में बच्चों समेत कई लोग भूखे मर रहे हैं। इस पर चुप रहना और यह सब होते देखना अपने आप में बड़ा अपराध है।

फ्रंटलाइन स्टील्थ फ्रिगेट 'उदयगिरि' और 'हिमगिरि' 26 अगस्त को नौसेना के समुद्री बेड़े में शामिल होंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। अग्रिम पंक्ति के स्टील्थ फ्रिगेट 'उदयगिरि' और 'हिमगिरि' को भारतीय नौसेना अपने समुद्री बेड़े में शामिल करने के लिए तैयार है। यह पहली बार होगा जब दो प्रतिष्ठित भारतीय शिपयार्डों के दो प्रमुख सतही लड़ाकू जहाजों को एक ही समय में 26 अगस्त को विशाखापत्तनम में नौसेना में शामिल किया जाएगा। दो जहाजों का एक साथ नौसेना में शामिल होना भारत के तेजी से बढ़ते नौसैनिक आधुनिकीकरण और विभिन्न शिपयार्डों से अत्याधुनिक युद्धपोतों की आपूर्ति करने का प्रत्यक्ष प्रमाण है। प्रोजेक्ट 17ए के तहत स्टील्थ फ्रिगेट्स का दूसरा जहाज 'उदयगिरि' मुंबई में मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने निर्मित किया है, जबकि 'हिमगिरि' कोलकाता के गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स में निर्मित इसी प्रोजेक्ट का पहला जहाज है। भारतीय नौसेना के लिए एक और बड़ी उपलब्धि यह है कि उदयगिरि नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो में डिजाइन किया गया 100वां जहाज है। डिजाइन के लिहाज से देखा जाए तो उदयगिरि और हिमगिरि अगली पीढ़ी के जहाज हैं। लगभग 6,700 टन विस्थापन वाले प्रोजेक्ट 17ए के यह फ्रिगेट अपने पूर्ववर्ती शिवालिक-श्रेणी के फ्रिगेट से लगभग पांच प्रतिशत बड़े हैं। फिर भी इनका आकार अधिक सुडौल है और इनका रडार क्रॉस सेक्शन कम है। नौसेना

के मुताबिक इन्हें डीजल इंजन और गैस टर्बाइनों का उपयोग करते हुए संयुक्त डीजल या गैस प्रणोदन संयंत्रों से संचालित किया जाता है, जो नियंत्रणीय-पिच प्रोपेलर चलाते हैं और एक एकीकृत प्लेटफॉर्म प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से प्रबंधित होते हैं। हथियार सूट में सुपरसोनिक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, 76 मिमी एमआर गन और 30 मिमी और 12.7 मिमी क्लोज-इन हथियार प्रणालियों और पनडुब्बी रोधी/पानी के नीचे की हथियार प्रणालियों का संयोजन शामिल है। दोनों जहाजों के निर्माण में 200 से अधिक एमएसएमई का सहयोग रहा है। इनसे लगभग 4,000 प्रत्यक्ष नौकरियों और 10 हजार से अधिक अप्रत्यक्ष नौकरियों का मौका मिला है।

आत्मनिर्भरता का एक गौरवशाली प्रमाण

उदयगिरि और हिमगिरि का जलावतरण जहाजों के डिजाइन और निर्माण में आत्मनिर्भरता के प्रति नौसेना की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके बाद अन्य स्वदेशी जहाजों, जैसे विध्वंसक आईएनएस सूरत, फ्रिगेट आईएनएस नीलगिरि, पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर, पनडुब्बी आईएनएस अर्णाला और गोताखोरी सहायता पोत आईएनएस निस्तार का जलावतरण 2025 में ही होगा। कठोर समुद्री परीक्षणों के दौरान फ्रिगेट्स के पतवार, मशीनरी, अग्निशमन, क्षति नियंत्रण, नौवहन और संचार प्रणालियों ने पुष्टि की है कि वे परिचालन तैनाती के लिए तैयार हैं।? विशाखापत्तनम में होने वाला समारोह आत्मनिर्भर समुद्री रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र की ओर भारत की यात्रा का उत्सव होगा।

हरियाली और पर्यावरण में भी इंदौर बनेगा देश का अग्रणी शहरः केन्द्रीय मंत्री संजय सेठ

एजेंसी

इंदौर। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में इंदौर का योगदान सराहनीय है। मध्य प्रदेश के नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के नेतृत्व में इंदौर ने विगत वर्ष 51 लाख से अधिक पौधे लगाकर एक बड़ा लक्ष्य हासिल किया है, जो नागरिकों के सहयोग से संभव हुआ। एक पेड़ मां के नाम एवं एक बगिया मां के नाम अभियान से पूरे भारत में पर्यावरण संरक्षण का संदेश गया है। जिस प्रकार इंदौर ने स्वच्छता में लगातार आठवीं बार प्रथम स्थान प्राप्त किया है, उसी तरह हरियाली और पर्यावरण में भी इंदौर देश का अग्रणी शहर बनेगा। पर्यावरण संरक्षण के लिए इंदौर ने जो काम किया है, उसका अनुसरण देश के अन्य शहर करके यह मुकाम प्राप्त कर सकते हैं। केंद्रीय राज्य मंत्री संजय सेठ मध्य प्रदेश के इंदौर में एक बगिया मां के नाम अभियान

अंतर्गत आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर इंदौर में बड़े स्तर पर पौधारोपण किया गया। यहां बीएसएफ परिसर एवं पितृ पर्वत के पीछे गांधीनगर थाने के पास 11-11 हजार पौधों का रोपण कार्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायकगण महेंद्र हार्डिया, रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला, मधु वर्मा तथा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे। कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम अभियान को इंदौर ने पूरे जोश और समर्पण से अपनाया है। पिछले वर्ष रेवती रेंज एवं अन्य स्थानों पर 51 लाख पौधों का रोपण किया गया, जिसमें पितृ पर्वत जैसे स्थान हरियाली से आच्छादित हो गए हैं। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि अपनी मां के नाम एक पेड़ अवश्य लगाएं, उसकी देखभाल करें और आने वाली पीढ़ी के लिए हरियाली का उपहार छोड़ें। विजयवर्गीय ने कहा कि आज का पौधारोपण भविष्य में आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ा उपहार है। जलवायु परिवर्तन और बढ़ते तापमान के बीच यह संकल्प हमें आने वाले समय में राहत देगा।

लगातार बारिश से बिहार में गंगा समेत सभी नदियां उफान पर

अबतक 19 लोगों की मौत

एजेंसी

पटना। पहाड़ों और बिहार के मैदानी इलाकों में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से गंगा समेत बिहार की सभी प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। इसकी वजह से गंगा किनारे बसे पटना, भागलपुर, मुंगेर, बेगूसराय, खगड़िया और कटिहार में बाढ़ की स्थित की नाजुक बनी हुई है। बिहार में बाढ़ से अब तक 19 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा बेगूसराय में 08 लोगों की मौत हुई है। मृतकों में बेगूसराय के 8, भागलपुर, सीवान और भोजपुर, खगड़िया में दो-दो तथा मुंगेर, वैशाली व कटिहार के एक-एक शामिल हैं। राज्य में 10 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। स्थिति से निपटने के लिए एनडीआरएफ की 9वीं बटालियन की

14 टीमों को अलर्ट पर रखा गया है। दरभंगा, सुपौल, मोतिहारी और नालंदा में टीमें तैनात हैं। मौसम विभाग ने बिहार के 19 जिलों में यलो अलर्ट जारी करते हुए तेज बारिश, आंधी और बिजली गिरने की चेतावनी दी है। पिछले 24 घंटों में कटिहार में 140 मिमी, नालंदा में 70 मिमी और पटना में 57 मिमी बारिश दर्ज की गई है। आपदा प्रबंधन विभाग और एनडीआरएफ की 14 टीमें राहत-बचाव में जुटी हैं, लेकिन मौसम का रुख अगले 48 घंटे और मुश्किलें बढ़ा सकता है। रविवार देर रात पटना, सुपौल, बांका और लखीसराय में मध्यम बारिश रिकॉर्ड की गई, जबकि सोमवार सुबह से सीतामढ़ी, दरभंगा, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया और कटिहार में मूसलाधार बारिश हो रही है। कटिहार में पिछले 24 घंटों में 140 मिमी बारिश दर्ज हुई है, जबकि नालंदा में 70 मिमी, शेखपुरा और बांका में 65 मिमी और पटना में 57 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। राजधानी पटना में सोमवार को दिनभर बादल छाए रहेंगे और हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है. अधिकतम तापमान 32 सेंटीग्रेड और न्यूनतम 26 सेंटीग्रेड रहने का अनुमान है। हवा की रफ्तार 12-18 किमी प्रति घंटा और उमस बनी रहेगी। बारिश के बाद मौसम में हल्की ठंडक आ सकती है।

तिरुवनंतपुरम से दिल्ली जा रहे एयर इंडिया के विमान की चेन्नै में आपातकालीन लैंडिंग, बाल-बाल बचे यात्री

एजेंसी

नई दिल्ली। तिरुवनंतपुरम से दिल्ली जा रहे एयर इंडिया के विमान (संख्या एआई2455) की चेन्नई में आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। सफर के दौरान खराब मौसम के बीच तकनीकी समस्या का शक होने पर चालक दल ने विमान को चेन्नई की तरफ मोड़ दिया, जहां विमान की सुरक्षित लैंडिंग

कराई गई। विमान ने रात करीब 8 बजे तिरुवनंतपुरम से उड़ान भरी और लगभग 10.35 बजे चेन्नई पहुंचा। विमान में कांग्रेस सांसद वेणुगोपाल सहित कुछ अन्य सांसद और यात्री सवार थे, जो चालक दल की समझदारी के कारण बड़ी दुर्घटना से बाल-बाल बच गए। वेणुगोपाल ने हवाई सफर की सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने और डीजीसीए से इस घटना की जांच की मांग की है।

ऑपरेशन सिंदूर तीनों सेनाओं के बीच तालमेल और परिचालन की समझ का प्रमाण : सीडीएस

जनरल अनिल चौहान ने भारत के रक्षा संगठन के विकास और वर्तमान ढांचे की रूपरेखा प्रस्तुत की

एजेंसी

नई दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की जीत को तीनों सेनाओं के बीच तालमेल और परिचालन में एकजुटता का प्रमाण बताया है। जनरल अनिल चौहान ने प्रौद्योगिकी संचालित आधुनिक युद्ध में विघटनकारी परिवर्तनों से निपटने के लिए व्यापक क्षमता विकास, आत्मनिर्भरता और सेना में किए जा रहे परिवर्तनकारी बदलावों की गहरी समझ के महत्व पर बल दिया। सिकंदराबाद के कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट में 21वें उच्च रक्षा प्रबंधन पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों और वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत करते हुए सीडीएस ने सशस्त्र बलों में संयुक्तता और एकीकरण पर रणनीतिक दृष्टिकोण साझा किए। उन्होंने एकीकृत अभियानों के भविष्य की कार्य योजना को आकार देने के लिए अहम बिंदुओं पर प्रकाश डाला। सीडीएस ने 'राष्ट्रीय सुरक्षा संरचना और उच्चतर रक्षा प्रबंधन' पर एक गहन व्याख्यान दिया। उन्होंने भारत के रक्षा संगठन के विकास और

वर्तमान ढांचे की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने सैन्य मामलों के विभाग की उपलब्धियों, निर्णय लेने के लिए महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सुरक्षा समितियों के कामकाज, संगठनात्मक पुनर्गठन सहित सुधारों के पालन और संयुक्त क्षमता बढ़ाने ?के लिए थिएटर कमांड की कार्य योजना पर प्रकाश डाला।? उन्होंने अपने संबोधन में उभरती राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए निरंतर सुधारों, आपसी तालमेल और अनुकूलनशीलता के महत्व पर बल दिया। संयुक्त रसद और एकीकरण को मजबूत करने के निरंतर प्रयासों के तहत जनरल अनिल चौहान ने कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट की ओर से तैयार ?की गई व्यापक मार्गदर्शिका 'एकीकृत रसद के लिए संयुक्त प्राइमर' जारी की। सीडीएस ने स्मार्ट बाइक पब्लिक साइकिल शेयरिंग सुविधा का भी उद्घाटन किया, जिससे कॉलेज के कर्मचारी दैनिक आवागमन के लिए पर्यावरण अनुकूल ई-साइकिलों का आदान-प्रदान कर सकेंगे। यह परियोजना स्मार्ट बाइक मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से लागू की गई है और कॉलेज की पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं, स्मार्ट तकनीक और स्वस्थ जीवनशैली विकल्पों को अपनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।?

अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं से लैस होगा नागपुर का अजनी रेलवे स्टेशन

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में स्थित अजनी रेलवे स्टेशन को आधुनिक स्वरूप देने के लिए 359.82 करोड़ रुपये की लागत से इसका पुनर्विकास कार्य तेजी से प्रगति पर है। यह परियोजना भारतीय रेलवे की छवि को बदलने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। रेल भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) और रेलवे की इस संयुक्त परियोजना के प्रोजेक्ट आर्किटेक्ट प्रतीक पुरकर ने बताया कि कुल 44 एकड़ रेलवे भूमि में से फिलहाल 7-8 एकड़ क्षेत्र में कार्य चल रहा है। योजना के अनुसार स्टेशन के दोनों ओर प्रतिष्ठित भवन, अत्याधुनिक यात्री सुविधाएं और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जा रही है। अजनी स्टेशन पर कुल 3 प्लस 3 लेवल का थ्री टायर स्ट्रक्चर बनाया जा रहा है, जिसमें यात्रियों के लिए वेटिंग एरिया, कैफेटेरिया, रिटेल आउटलेट्स और अन्य सुविधा केंद्र होंगे। स्टेशन परिसर में 21 लिफ्ट, 17 एस्केलेटर और 6 ट्रैवलेटर लगाए जाएंगे। इसके साथ ही पूरा परिसर दिव्यांगजन अनुकूल होगा।उन्होंने बताया कि स्टेशन पर 4,320 वर्ग मीटर का रूफ प्लाज़ा विकसित किया जाएगा, जहां यात्रियों के लिए अत्याधुनिक वेटिंग लाउंज उपलब्ध होगा। इसके अलावा मल्टीलेवल पार्किंग, मेट्रो, बस और ऑटो से कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए योजना बनाई गई है। स्टेशन पर दो फुट ओवर ब्रिज बनाए जा रहे हैं - एक नॉर्थ एंड पर और दूसरा साउथ एंड पर, जो 10 मीटर चौड़े होंगे और सभी प्लेटफॉर्म को जोड़ेंगे। इनके मध्य में एलिवेटेड कोनकोर्स रहेगा, जो चारों प्लेटफॉर्म के ऊपर बना वेटिंग एरिया होगा। नॉर्थ से साउथ तक का क्षेत्र एक ही छत से कवर रहेगा, जो 77 मीटर चौड़ा और 232 मीटर लंबा होगा। आरएलडीए के असिस्टेंट मैनेजर भोलानाथ पाल ने बताया कि परियोजना का कार्य 10 जनवरी, 2023 को शुरू हुआ था। वर्तमान में ईस्ट साइड बिल्डिंग का 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। दोनों फुट ओवर ब्रिज का 40 प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है। वेस्ट साइड बिल्डिंग 30 प्रतिशत पूर्ण है। एलिवेटेड कोनकोर्स का 30-40 प्रतिशत निर्माण पूरा हुआ है। कुल मिलाकर, अब तक 49 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। अभी तक अजनी स्टेशन से केवल 7-8 ट्रेनें गुजरती हैं, लेकिन अब यहां से पुणे के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू हो गई है।

मोहन भागवत ने इंदौर में किया कैंसर केयर सेंटर का उद्घाटन

एजेंसी

इंदौर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने मध्य प्रदेश के प्रवास के दौरान इंदौर में शाम को श्री गुरुजी सेवा न्यास माधव सृष्टि के कैंसर केयर सेंटर का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने बिल्डिंग और संसाधनों का बारीकी से निरीक्षण किया और जीवन यात्रा पर आधारित लगी प्रदर्शनी भी अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने समाज में चिकित्सा और शिक्षा को बहुत जरूरी बताया। संघ प्रमुख डॉ. भावगत ने कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा समाज की आवश्यकता है। ज्ञान के लिए शिक्षा और ज्ञान पाने के लिए स्वस्थ शरीर जरूरी है। दुर्भाग्य है कि अच्छा स्वास्थ्य और शिक्षा अब सामान्य आदमी के पहुंच से बाहर है। यह काम पहले सेवा के नाते किए जाते थे, लेकिन अब स्वास्थ्य और शिक्षा

भी व्यावसायिक हो गई है। पहले शिक्षा देना कर्तव्य माना जाता था। शिक्षा देने वालों को इसकी चिंता होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि बचपन में मुझे मलेरिया हो गया था। तीन दिन में स्कूल नहीं गया तो शिक्षक घर आए। वे मेरे लिए जंगल में जाकर जड़ी-बूटी ले आए। शिक्षक की भूमिका ऐसी होती है। उन्हें चिंता था कि जो छात्र मेरे पास आया है। वो स्वस्थ भी रहना चाहिए, समाज को सहज सुलभ चिकित्सा चाहिए। कॉरपोरेट का जमाना है। अब शिक्षा हब बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा के लिए छात्रों को दूर जाना पड़ता है। अच्छी चिकित्सा के लिए भी बड़े शहरों में जाना पड़ता है। देश को कम खर्च वाली और सहज सुलभ चिकित्सा चाहिए। इलाज चिंता की बीमारी नहीं बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पश्चिम का दृष्टिकोण यह है कि एक ही बात दुनिया पर लागू करना। विदेश में चिकित्सा पर हुई रिसर्च सब जगह लागू नहीं हो सकती, क्योंकि विश्व में विविधता है। किसी को नैचुरोपैथी से फायदा होता है तो किसी को होम्योपैथी से फायदा होता है। कोई एक पैथी सर्वश्रेष्ठ नहीं हो सकती। भारतीय चिकित्सा पद्धति मरीजों का व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुसार इलाज करती है। 8-10 भारतीय शहरों में अच्छी कैंसर देखभाल उपलब्ध है। सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवा की आवश्यकता है।

गुजरात के 'तापी के तारे' परियोजना के तहत आदिवासी बच्चों का पहला इसरो दौरा, वन मंत्री ने किया संवाद

एजेंसी

सूरत। गुजरात के तापी जिले के 15 सरकारी स्कूलों के विज्ञान शाखा के 28 आदिवासी बच्चे 10 से 13 अगस्त के दौरान इसरो के श्रीहरिकोटा स्थित सैटेलाइट लॉन्चिंग सेंटर के शैक्षणिक दौरे के लिए सूरत हवाई अड्डे से रवाना हुए। वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री मुकेशभाई पटेल ने 'तापी के तारे' परियोजना के तहत पहली बार इसरो की यात्रा पर जा रहे 28 आदिवासी बच्चों से आज संवाद किया।

सूरत हवाई अड्डे के सभागार में मंत्री ने बच्चों की पहली हवाई यात्रा से लेकर भविष्य के करियर लक्ष्यों तक विभिन्न विषयों पर बातचीत कर उन्हें प्रोत्साहित किया। विद्यार्थियों को यादगार और मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं देते हुए मंत्री ने राज्य में पहली बार विशेष रूप से आदिवासी बच्चों के लिए की गई इस अनोखी पहल के लिए तापी जिला प्रशासन को बधाई दी। उन्होंने चेन्नई इसरो के शैक्षणिक दौरे पर जा रहे विद्यार्थियों को 'लर्न विद फन', आनंद के साथ कुछ नया सीखने की प्रेरणा दी। उन्होंने बच्चों को इसरो के शोध कार्य और अंतरिक्ष विज्ञान के बारे में गहन जानकारी लेने तथा उत्सुकतापूर्वक वैज्ञानिकों और इंजीनियरों से नए अनुभव प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

सीबीआई ने नासिक के एक रिज़ॉर्ट में चल रहे साइबर ठग गिरोह का किया भंडाफोड़, 5 लोग गिरफ्तार

एजेंसी

नासिक। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने नासिक के इगतपुरी में चल रहे एक बड़े साइबर ठग गिरोह का भंडाफोड़ किया है। सबीआई ने गिरोह से जुड़े 5 सदस्यों को भी गिरफ्तार किया है। छामेमारी के दौरान ठगी में इस्तेमाल होने वाले कई सामान और नकदी भी बरामद की गयी है। सीबीआई ने जिस ठग गिरोह का भंडाफोड़ किया है, वह रेनफॉरेस्ट रिज़ॉर्ट में किराए के एक परिसर से अवैध कॉल सेंटर चला रहा था, जहां से अमेरिका, कनाडा और अन्य देशों के लोगों को फोन कर ठगा जाता था। सीबीआई ने इस मामले में मुंबई के छह लोगों और कुछ अज्ञात व्यक्तियों व बैंक अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। आरोप है कि इन

लोगों ने मिलकर खुद को अमेज़न सपोर्ट सर्विसेज का कर्मचारी बताकर फिशिंग और झूठी कॉल्स के जरिए विदेशी नागरिकों से पैसों की ठगी की है।सीबीआई के मुताबिक कॉल सेंटर में 62 कर्मचारी लाइव कॉल पर विदेशी नागरिकों को धोखा दे रहे थे। मौके पर ही पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया गया, जिनके नाम विशाल यादव, शेबाज़, दुर्गेश, अभय राज उर्फ राजा और समीर उर्फ कालिया उर्फ सोहेल हैं। इनसे पूछताछ जारी है और बाकी लोगों की तलाश हो रही है। सीबीआई की कार्रवाई के दौरान कॉल सेंटर में करीब 60 लोग काम कर रहे थे, जिनमें कॉल करने वाले (डायलर), जानकारी जांचने वाले (वेरिफायर) और सौदा पक्का करने वाले (क्लोजर) शामिल थे। ठगी से मिले पैसे गिफ्ट कार्ड और क्रिप्टोकरेंसी के रूप में लिए जाते थे, ताकि उनका पता किसी को न चल सके। सीबीआई की छापेमारी में 44 लैपटॉप, 71 मोबाइल फोन, कई डिजिटल सबूत, 1.20 करोड़ रुपये नकद, 500 ग्राम सोना और करीब एक करोड़ रुपये की सात लक्ज़री कारें बरामद की गयी हैं। जांच में 5000 यूएसडीटी क्रिप्टोकरेंसी (लगभग 5 लाख रुपये) और 2000 कनाडाई डॉलर के गिफ्ट वाउचर (लगभग 1.26 लाख रुपये) के लेनदेन का भी पता चला। सीबीआई का कहना है कि यह गिरोह लंबे समय से विदेशों में बैठे लोगों को निशाना बना रहा था और हाई-टेक तरीके से ठगी कर रहा था। आगे की जांच में इस रैकेट से जुड़े बाकी लोगों, बैंकिंग लेन-देन और नेटवर्क का पता लगाया जाएगा।

कटिहार में धर्मांतरण के आरोप को लेकर विवाद, हिंदू संगठन ने रोकी प्रार्थना सभा

एजेंसी

कटिहार। बिहार के कटिहार सहायक थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या एक दूरदर्शन टावर मोहल्ले में धर्मांतरण के आरोप को लेकर विवाद हो गया। हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने एक क्रिश्चियन प्रार्थना सभा स्थल पर धावा बोलते प्रार्थना को बीच में ही रोकवा दिया।

स्थानीय लोगों ने बताया कि इस हिंदू बहुल मुहल्ले में सभा के बहाने संथाली व आदिवासी समुदाय के परिवारों का ब्रेनवॉश कर पिछले कई महीनों से धर्मांतरण कराया जा रहा था। हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं का दावा है कि यहां कई महीनों से इस तरह की गतिविधियां चल रही हैं और

यह हिंदू आस्था के साथ खिलवाड़ है। प्रार्थना सभा स्थल पर मौजूद गुंजिया उरांव, राजों उरांव और सरिता उरांव जैसी महिलाएं खुद को क्रिश्चियन धर्म से जुड़ा बताती हैं। उनका कहना है कि यह महज एक धार्मिक प्रार्थना सभा थी। उन्होंने कहा कि प्रभु यीशु में उनकी सच्ची श्रद्धा है और इसमें किसी तरह के धर्मांतरण की कोशिश नहीं हो रही थी।

घटना की सूचना मिलते ही सहायक थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर हालात को काबू में किया। पुलिस ने एहतियातन करीब छह लोगों को हिरासत में लेते हुए मामले की बारीकी से जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि अभी मामले की जांच जारी है, और जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा कि आरोपों में कितनी सच्चाई है। इस घटना के बाद माहौल तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है।

ठगी के मामले में गिरफ्तारी

एजेंसी
नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की साइबर सेल यूनिट ने शातिर साइबर ठग मुनीर खान उर्फ साहिल शर्मा को गिरफ्तार किया है।आरोपित की कंपनी मैरैकी मैनपावर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के खातों का लिंक देशभर की 85 साइबर अपराध शिकायतों से जुड़ा पाया गया है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी आदित्य गौतम के अनुसार 22 मई 2025 को पुलिस को एक शिकायत मिली। जिसमें शिकायतकर्ता का आईफोन चोरी हो गया था। फोन उनके बैंक खाते से जुड़ा था। 26 मई को दूसरी सिम मिलने के बाद उन्हें नौ अनधिकृत यूपीआई लेन-देन के मैसेज मिले। जिनमें कुल 3,98,709 की राशि निकाली गई थी। शिकायतकर्ता के बयान पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस टीम ने मनी ट्रेल का पता लगाया। जांच में पता चला कि ठगी की रकम कई खातों के जरिये घुमाई गई और एक लाख की राशि तेलंगाना के एक खाते से मैरैकी मैनपावर सर्विसेज प्रा. लि. में ट्रांसफर की गई। आगे की जांच में कंपनी का पता स्पेज आईटी पार्क, गुरुग्राम में मिला। पुलिस टीम ने तुरंत एक टीम का गठन कर उक्त स्थान पर छापेमारी कर आरोपित मुनीर खान उर्फ साहिल शर्मा (33) को दबोचा। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि वह 12वीं पास है और मूल रूप से पलवल, हरियाणा का रहने वाला है। जांच में सामने आया है कि आरोपित पहले दुष्कर्म के एक मामले में जेल में रह चुका है।

कांग्रेस के आरोपों के बीच चुनाव आयोग ने जयराम रमेश को लिखा पत्र, बातचीत के लिए बुलाया

नई दिल्ली । भारत निर्वाचन आयोग सचिवालय ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश को एक पत्र लिखकर दोपहर 12 बजे बैठक के लिए आमंत्रित किया है। यह बैठक राजधानी दिल्ली स्थित निर्वाचन सदन, अशोक रोड के सातवें माले पर स्थित सुकुमार सेन हॉल में आयोजित होगी। निर्वाचन आयोग की ओर से भेजे गए पत्र में जयराम रमेश के 10 अगस्त 2025 को लिखे गए पत्र का संदर्भ देते हुए कहा गया है कि उसमें व्यक्त अनुरोध पर विचार किया गया है और आयोग ने संबंधित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत के लिए समय निर्धारित कर दिया है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि बैठक में सीमित स्थान होने के कारण अधिकतम 30 व्यक्तियों के नाम और उनके वाहन नंबर पहले से आयोग को उपलब्ध कराना आवश्यक होगा। इसके लिए आयोग ने ईमेल एड्रेस भी प्रदान किया है, जिस पर यह जानकारी भेजने का अनुरोध किया गया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार को नई दिल्ली स्थित भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) मुख्यालय तक इंडिया ब्लॉक के लगभग 300 सांसदों के विरोध मार्च का नेतृत्व करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने सेना में जज एडवोकेट जनरल पद पर पुरुषों का आरक्षण किया रद्द

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने भारतीय सेना में जज एडवोकेट जनरल (जेएजी) के छह पद पुरुषों के लिए आरक्षित करने के प्रस्ताव को रद्द करते हुए सोमवार को कहा कि सभी अभ्यर्थियों के लिए एक संयुक्त योग्यता सूची तैयार की जाए। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने अर्शनूर कौर की याचिका पर यह आदेश पारित किया। पीठ ने पुरुषों के लिए छह और

महिलाओं के लिए तीन पद आरक्षित करने के प्रस्ताव को मनमाना करार देते हुए कहा, कार्यपालिका पुरुषों के लिए यह पद आरक्षित नहीं कर सकती। भर्ती की आड़ में इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती। अदालत ने आगे कहा, लैंगिक तटस्थता और 2023 के नियमों का सही अर्थ यह है कि सरकार सबसे योग्य उम्मीदवारों का चयन करेगी। महिलाओं के लिए संबंधित पद को सीमित करना समानता के अधिकार का उल्लंघन है। शीर्ष अदालत ने सरकार को निर्देश दिया कि वह सभी अभ्यार्थियों के लिए एक संयुक्त योग्यता सूची प्रकाशित करे, जिसमें पुरुष और महिला बिना किसी भेद भाव के शामिल किए जाएं।

बारिश के बाद डेंगू का कहर, जिले में अब तक 27 मरीज मिले पॉजिटिव

नोएडा । बरसात के मौसम में डेंगू का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। मौसम में आए बदलाव और चारों ओर फैले पानी के जमाव ने मच्छरों के प्रजनन को बढ़ावा दिया है, जिसके चलते डेंगू के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। जिले के अस्पतालों में रोजाना बुखार से पीड़ित सैकड़ों मरीज पहुंच रहे हैं, जिनमें कई लोग डेंगू की जांच भी करवा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, अब तक जिले में डेंगू के 27 और मलेरिया के 35 मरीजों की पुष्टि हो चुकी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि तेज बुखार, सिर दर्द, मांसपेशियों व जोड़ों में दर्द, थकान, मतली, उल्टी और त्वचा पर लाल चकत्ते जैसे लक्षण डेंगू के हो सकते हैं। ऐसे लक्षण दिखने पर मरीज को हल्के में नहीं लेना चाहिए और तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल में जांच करवानी चाहिए। डॉक्टरों ने लोगों को सावधान करते हुए कहा है कि बरसात के बाद मच्छरों के प्रजनन की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। घर के आसपास और छतों पर जमा पानी को तुरंत साफ करें। गमलों, कूलरों और पानी की टंकियों को नियमित रूप से खाली और साफ करना जरूरी है। ठहरे हुए पानी में डेंगू फैलाने वाले एडीज एजिप्टी मच्छर पनपते हैं, जो दिन के समय अधिक सक्रिय रहते हैं। डेंगू के मामलों में बढ़ोतरी के पीछे एक कारण इस मौसम में खुले में बिकने वाले ठंडे पेय पदार्थ और गंदी बर्फ का सेवन भी बताया जा रहा है।

दिल्ली को फिल्मी हब बनाने को लेकर गंभीर सरकार : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

एजेंसी
नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि उनकी सरकार दिल्ली को फिल्मी हब बनाने को लेकर बेहद गंभीर है। दिल्ली को अंतरराष्ट्रीय शूटिंग स्थल बनाने के लिए फिल्म पॉलिसी बन रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में फिल्म आदि शूटिंग के आवेदनों को सिंगल विंडो सिस्टम से अनुमति दी जाएगी। इसके अलावा सरकार राजधानी में फिल्म इंडस्ट्री के विकास और सुविधाएं देने की भी योजना बना रही है। मुख्यमंत्री ने यह जानकारी सेलिब्रेटिंग इंडिया फिल्म फेस्टिवल (सीआईएफएफ) के समापन समारोह में दी। सीरी फोर्ट स्थित इस आयोजन में कई राजनैतिक हस्तियों के अलावा फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई नामी लोग भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के दिल में इस तरह के शानदार आयोजन की कल्पना करना और फिर उसे हकीकत में बदलना, कोई आसान

काम नहीं होता। यहां से एक संदेश निकला है कि हमारी दिल्ली भी अब फिल्म निर्माण और सांस्कृतिक चेतना का नया केंद्र बनने की दिशा में कदम बढ़ा चुकी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार दिल्ली को फिल्मी हब बनाने को लेकर बेहद गंभीर है, और तेजी से आगे बढ़ रही है। हमने दिल्ली को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध शूटिंग स्थल (ग्लोबल शूटिंग डेस्टिनेशन) के रूप में बढ़ावा देने के लिए दिल्ली की फिल्म पॉलिसी को आकार दिया है। मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि दिल्ली को फिल्म निर्माण का हॉटस्पॉट बनाने के लिए भी हमने तीन करोड़ रुपये का बजट तय किया गया है। हमें उम्मीद है कि आने वाले साल में हमें काफी फिल्मों की दिल्ली में शूटिंग करने के लिए आवेदन मिलेंगे। हमारा प्रयास होगा कि कि इन आवेदनों को सिंगल विंडो सिस्टम के जरिए अनुमति दी जाए ताकि फिल्म निर्माताओं का मनोबल बढ़े, वो दिल्ली की लोकेशन्स का इस्तेमाल करने के लिए, दिल्ली से जुड़ी फिल्में लिखें। हमारी इस नई फिल्म पॉलिसी के जरिए दिल्ली सिर्फ राजनीति या इतिहास के लिए नहीं, अब अपनी कल्चर, क्रिएटिविटी और अपनी फिल्मी लोकेशन्स के लिए भी पहचानी जाएगी। मुख्यमंत्री कहना है कि अभी तक मुंबई को ही फिल्म और मनोरंजन उद्योग के लिए जाना जाता है। दिल्ली का जो भी टैलेंट इस इंडस्ट्री में थोड़ा आगे बढ़ता है।

चाणक्यपुरी में थार की रफ्तार का कहर: एक की मौत, एक घायल

एजेंसी
नई दिल्ली । नई दिल्ली के अति विशिष्ट चाणक्यपुरी में सुबह एक तेज रफ्तार महिंद्रा थार ने दो लोगों को कुचल दिया। दुर्घटना में 35 वर्षीय रमेश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 28 वर्षीय संजय शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा राष्ट्रपति भवन से महज 2 किलोमीटर की दूरी पर मदर टेरेसा क्रिसेंट मार्ग पर स्थित 11 मूर्ति के पास हुआ। दिल्ली पुलिस ने आरोपित वाहन चालक को हिरासत में ले लिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रमेश कुमार और संजय शर्मा सड़क किनारे पैदल चल रहे थे, तभी सफेद रंग की थार गाड़ी ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि गाड़ी का अगला पहिया टूटकर अलग हो गया। इससे वाहन की तेज रफ्तार का अंदाजा लगाया जा सकता है। हादसे के बाद रमेश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि संजय शर्मा को गंभीर चोट आई। उन्हें पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। वहीं मृतक का शव कई घंटों तक सड़क पर पड़ा रहा, जिससे इलाके में अफरातफरी मच गई।दिल्ली पुलिस ने घटना की सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई करते हुए 26 वर्षीय ड्राइवर आशीष, जो दिल्ली के शकूरपुर का निवासी है, को हिरासत में ले लिया। गाड़ी का रजिस्ट्रेशन उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के अहिंसा खंड में रहने वाले अंकित अदनानी के नाम पर है, जिसने गाड़ी अपने दोस्त आशीष को दी थी। पुलिस को गाड़ी से शराब की बोतलें भी बरामद हुई हैं, जिसके बाद ड्राइवर का मेडिकल टेस्ट कराया जा रहा है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह नशे की हालत में था या नहीं। वहीं ड्राइवर ने दावा किया है कि उसे गाड़ी चलाते समय झपकी आ गई थी, जिसके कारण यह हादसा हुआ।पुलिस ने गाड़ी को जब्त कर लिया है और फोरेंसिक टीम वाहन की बारीकी से जांच कर रही है।

पीडब्ल्यूडी मंत्री ने किया जलभराव प्रभावित क्षेत्र का दौरा, आआपा का तंज

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कनॉट प्लेस के आउटर सर्किल में जलभराव प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली में पिछले दो दिनों से हो रही बारिश के बाद केवल कनॉट प्लेस के आउटर सर्किल पर बाबा होटल के पास 100 मीटर क्षेत्र में ही जलभराव दिखाई दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि शनिवार रात जलभराव की समस्या देखने के लिए वे अकेले ही इस स्थान पर आए, जहां उन्हें बस थोड़े से स्थान पर ही जल भराव दिखाई दिया। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि यहां सौ साल पुराने ब्रिटिशकालीन बैरल सिस्टम को आसपास की इमारतों ने संकरा कर दिया है, जिससे जल निकासी बाधित होती है। समाधान के लिए नए पंप लगाए गए हैं और हर पॉइंट पर टेक्निकल स्टडी की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस साल जखीरा, मिंटो ब्रिज, मूलचंद, आईटीओ समेत पीडब्ल्यूडी की सड़कों पर 34

क्रिटिकल पॉइंट्स पर जलभराव नहीं हुआ – जबकि बीते 10 वर्षों से यहां हर साल पानी भरता था। जहां भी जलभराव की सूचना मिल रही है, मैं स्वयं और हमारी पीडब्ल्यूडी टीम मौके पर पहुंचकर तत्काल समाधान कर रहे हैं। हमारा संकल्प है – आने वाले वर्षों में दिल्ली को जलभराव से पूरी तरह मुक्त करना। आम आदमी पार्टी (आआपा)के दिल्ली प्रभारी सौरभ भारद्वाज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए पीडब्ल्यूडी मंत्री के दौरे पर तंज करते हुए कहा दिल्ली में जलभराव कल हुआ था, कल लोगों की मौत हुई और प्रवेश साहिब सिंह आज सड़कों पर जलभराव ढूंढने निकले हैं। प्रवेश साहिब सिंह को आज उन लोगों के घरों पर जाना चाहिए, जिनकी कल मौत हो गई। उस बच्चे के घर जाना चाहिए, जिसकी खुले हुए सीवर में डूबने से मौत हो गई।

तिरंगा दौड़ में 7500 से ज्यादा बच्चों ने दिया स्वच्छ व सशक्त भारत का संदेश

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने स्वतंत्रता दिवस से पहले त्यागराज स्टेडियम से तिरंगा दौड़ को हरी झंडी दिखाई। इस मौके पर उन्होंने कहा कि तिरंगा दौड़ ने सड़कों को देशभक्ति और एकता की भावना से भर दिया। स्वतंत्रता का जश्न मनाने के लिए 7,500 से ज्यादा बच्चों ने गर्व के साथ तिरंगा लहराया और स्वच्छ, सशक्त भारत का संदेश दिया। शिक्षा मंत्री ने भी तिरंगा दौड़ हिस्सा लिया।

शिक्षा मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राष्ट्र प्रेरित दृष्टि और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली शिक्षा व खेल विभाग द्वारा आयोजित की गई। शिक्षा मंत्री ने कहा कि यह केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि देश की एकता, गर्व और हमारे अमर शहीदों के प्रति कृतज्ञता का सशक्त संदेश बनकर पूरे शहर में गूंज उठा।यह आयोजन हर घर तिरंगा के तहत किया गया। उल्लेखनीय है कि 'हर घर तिरंगा' हर भारतीय को अपने घरों में तिरंगा लाने और हमारे देश की आजादी के जश्न में इसे गर्व से फहराने का निमंत्रण देता है।

भारतीय राष्ट्रीय ध्वज सिर्फ एक प्रतीक नहीं, बल्कि हमारे सामूहिक गौरव और एकता का एक गहरा प्रतिनिधित्व है। ऐतिहासिक रूप से ध्वज के साथ हमारा संबंध प्रायः औपचारिक और दूरगामी रहा है, लेकिन यह अभियान इसे एक गहन व्यक्तिगत और हार्दिक संबंध में बदलने का प्रयास करता है। इस पहल का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के भीतर देशभक्ति की गहरी भावना जगाना और हमारे राष्ट्रीय ध्वज के महत्व के बारे में अधिक समझ विकसित करना है।

दिल्ली के होलंबी कलां ई-वेस्ट प्लांट की क्षमता होगी दोगुनी : सिरसा

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली के होलंबी कलां ई-वेस्ट प्लांट की क्षमता को दोगुना किया जाएगा। दिल्ली के पर्यावरण? और उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा के नॉर्वे के रेवैक ई-वेस्ट प्रोसेसिंग फैसिलिटी (हाउकेविएन 11, 3174 रेवेटाल) का दौरा और अध्ययन करने के बाद प्लांट की क्षमता दोगुनी करने पर विचार किया जा रहा है। यह जानकारी विज्ञप्ति जारी कर दी। पहले होलंबी कलां ई-वेस्ट प्लांट को 150 करोड़ रुपये की लागत से 51,000 मीट्रिक टन सालाना क्षमता के साथ बनाना तय था, लेकिन मंत्री के नॉर्वे दौरे के दौरान रेवैक प्लांट के अध्ययन के बाद क्षमता दोगुनी (लगभग 1,10,000 मीट्रिक टन) करने पर विचार किया जा रहा है। मंत्री सिरसा ने 4 से 5 अगस्त दौरे के दौरान ने सुरक्षित डिस्मेंटलिंग, सेग्रिगेशन, मटेरियल एक्सट्रैक्शन और इको फ्रेंडली ट्रीटमेंट सिस्टम का बारीकी से निरीक्षण किया और टेक्नोलॉजी एडेप्टेशन, कंप्लायंस और सामुदायिक भागीदारी पर रेवैक के वरिष्ठ इंजीनियरों और ऑपरेशनल

हेड्स से चर्चा की। यहां एक और अहम सीख यह मिली कि ई-वेस्ट प्रोसेसिंग के दौरान एक मजबूत निरीक्षण व्यवस्था जरूरी है। नॉर्वे में यह काम नॉन-प्रॉफिट संगठनों द्वारा किया जाता है, जबकि दिल्ली सरकार अब भारत में एक विशेषज्ञ एजेंसी से थर्ड पार्टी मॉनिटरिंग करवाने की योजना बना रही है।दौरे से यह भी साफ हुआ कि ई-वेस्ट प्लांट से प्रदूषण या रेडिएशन जैसी चिंताएं गलतफहमी हैं। नॉर्वे प्लांट में पूरे फर्श को कंक्रीट किया गया है, पानी को उसी टैंक में शुद्ध कर दोबारा इस्तेमाल किया जाता है और अत्याधुनिक स्क्रबर लगाए गए हैं। यहां कचरा जलाया नहीं जाता, बल्कि मशीनों से कीमती मटेरियल जैसे एल्युमिनियम, लोहा और आरडीएफ अलग किया जाता है। यही मॉडल अब होलंबी कलां प्लांट में भी अपनाया जाएगा। मंत्री सिरसा ने कहा कि सरकार का पर्यावरण और उद्योग दोनों में से किसी को भी नुकसान नहीं होने देने का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि होलंबी कलां का ई-वेस्ट इको पार्क पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर बनाया जाएगा और दिल्ली स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन इसे संचालित करेगा। यह ई-वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स 2022 के तहत कई श्रेणियों के ई-वेस्ट को प्रोसेस करेगा, जिससे 500 करोड़ से अधिक का राजस्व, हजारों ग्रीन नौकरियां और असंगठित व खतरनाक ई-वेस्ट सेक्टर का औपचारिककरण होगा। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ई-वेस्ट जनरेटर है और दिल्ली इसमें लगभग 9.5 फीसद का योगदान देती है।

बुजुर्ग महिला के फोन पर पेटीएम इंस्टॉल कर निकाल लिए 14.35 लाख रुपये, आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी
नई दिल्ली। । द्वारका निवासी एक बुजुर्ग महिला के फोन पर पेटीएम इंस्टॉल कर उनके खाते से 14.35 लाख रुपये ट्रांसफर करने वाले जालसाज को जिला साइबर पुलिस ने गिरफ्तार कि कर लिया है। आरोपित की पहचान दीपक कुमार सैनी (31) के रूप में हुई है। उसे घर में नर्सिंग सहायक के तौर पर महिला की देखभाल के लिए रखा गया था। आरोपित के पास से एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है।द्वारका जिले के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) अंकित सिंह ने बताया कि रॉयल रेजीडेंसी (द्वारका) निवासी मंजूषा रानी गुप्ता (80) ने इस संबंध में साइबर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। महिला ने बताया कि मार्र्च 2020 से उनके घर में दीपक सैनी नर्सिंग सहायक के रूप में काम कर रहा था। उनके डॉक्टर आदि लोगों से बात करने के लिए वह उनका फोन इस्तेमाल करता था। कई बार जांच के लिए जाने पर फोन उसी के पास होता था। इस दौरान जनवरी से 6 जून 2025 के बीच दीपक ने उनके फोन पर पेटीएम इंस्टॉल कर आईसीआईसीआई बैंक खाते तक पहुंच बनाई। उनकी जानकारी या सहमति के बिना पेटीएम के माध्यम से 14.35 लाख की राशि अपने खाते में स्थानांतरित कर ली। साइबर थाना पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू की। पुलिस टीम ने आरोपित की सीडीआर निकालकर जांच की। शिकायतकर्ता के बैंक विवरणों के विश्लेषण से दीपक कुमार सैनी का पता चला।

पुलिस ने प्रहरी पहल से स्वतंत्रता दिवस से पहले दिल्ली में सुरक्षा तंत्र को किया मजबूत

एजेंसी
नई दिल्ली। । स्वतंत्रता दिवस से पहले दिल्ली पुलिस ने सभी जिलों में प्रहरी योजना के तहत निजी सुरक्षा गार्डों, चौकीदारों और अन्य सुरक्षा कर्मियों के लिए विशेष ब्रीफिंग-कम-संवेदनशीलता कार्यक्रम आयोजित किए। उद्देश्य था सामुदायिक सुरक्षा को मजबूत करना, पुलिस-जन सहयोग को बढ़ावा देना और प्रहरियों को अपराध रोकथाम व आपात स्थितियों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार करना। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने इन कार्यक्रमों में प्रहरियों के महत्व को रेखांकित किया और उन्हें सुरक्षा उपकरण वितरित किए।

दक्षिण जिला में 300 प्रहरियों को सुरक्षा प्रशिक्षण

दक्षिण जिला पुलिस ने संयुक्त पुलिस आयुक्त (सदर्न रेंज) एस.के. जैन और डीसीपी अंकित चौहान की मौजूदगी में 300 से अधिक प्रहरियों के साथ बैठक की। कार्यक्रम में संदिग्ध गतिविधियों की पहचान, पुलिस और निजी सुरक्षा बलों के समन्वय को मजबूत करना, तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रहरियों को सम्मानित किया गया। स्वतंत्रता दिवस पर भीड़ प्रबंधन और चौकसी बढ़ाने पर जोर दिया गया। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस ने लोटस टेंपल ऑडिटोरियम में प्रहरियों के लिए वाली सुरक्षा किट दी गई। भीड़ प्रबंधन, तलाशी और संदिग्ध वस्तुओं की पहचान पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। द्वारका जिले में डीसीपी अंकित सिंह की अध्यक्षता में यशोभूमि, द्वारका में 362 प्रहरियों की ब्रीफिंग हुई। कार्यक्रम में मेट्रो स्टेशन,

इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया। मुख्य अतिथि पुलिस आयुक्त एस.बी.के. सिंह ने कहा कि प्रहरियों की सतर्कता और पुलिस के साथ उनका तालमेल, सुरक्षा का अदृश्य कवच है। सभी प्रहरियों को कैप, रिफ्लेक्टिव जैकेट, डंडा और सीटी स्कूल, सरकारी इमारतों और बाजारों में तैनात प्रहरियों को अपराध रोकथाम, संदिग्ध व्यक्तियों और वस्तुओं की पहचान तथा पुलिस को तुरंत सूचना देने के निर्देश दिए गए। उन्हें लाठी, टॉर्च, सीटी और वायरलेस सेट जैसे उपकरण मुहैया कराए गए।

जैतपुर में दीवार गिरने से 8 की मौत के मामले में एक आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्व दिल्ली के जैतपुर इलाके के हरिनगर में हुए दर्दनाक हादसे में 08 लोगों की जान चली गई। जबकि एक व्यक्ति घायल है। जिसका सफदरजंग अस्पताल में इलाज चल रहा है। दक्षिण-पूर्वजिले के डीसीपी हेमंत तिवारी के अनुसार पुलिस ने सात शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। घटना के संबंध में जैतपुर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। डीसीपी के अनुसार जांच के दौरान पता चला कि एक प्लॉट पर स्क्रैप (कबाड़) डालने के लिए कई परिवारों को ठहराया गया था। इस मामले में किरायेदार खुर्शीद (49) को गिरफ्तार कर लिया है। वह वेस्ट बंगाल का रहने वाला है। वहीं जमीन के मालिक की पहचान राजबीर के रूप में हुई है।

विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने किया तिरंगा यात्रा का नेतृत्व

एजेंसी
नई दिल्ली।'स्वतंत्रता दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि यह उन अनगिनत बलिदानों और अदम्य साहस का स्मरण है, जिनके कारण हमें स्वतंत्र भारत का गौरव प्राप्त हुआ,' यह विचार दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष एवं रोहिणी के स्थानीय विधायक विजेंद्र गुप्ता ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य तिरंगा यात्रा का नेतृत्व करते हुए व्यक्त किए। रोहिणी एफ मंडल के जरिए आयोजित इस ऐतिहासिक यात्रा में क्षेत्र के निवासियों, आरडब्ल्यूए, युवा समूहों, बाजार संघों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा की शुरुआत नाहरपुर मार्केट, सेक्टर-7 से हुई और आजाद कबाड़ी चौक, राजापुर गांव पर इसका समापन हुआ। सैकड़ों की संख्या में उपस्थित लोगों ने हाथों में तिरंगा लहराते हुए एकता और देशभक्ति के नारों के साथ मार्च किया। सभा को संबोधित करते हुए विजेंद्र गुप्ता ने

कहा कि तिरंगा हमारे राष्ट्र की शान है, यह उन असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान का प्रतीक है। यह मात्र एक ध्वज नहीं, बल्कि हमारी संप्रभुता, एकता और संविधान में निहित मूल्यों का जीवंत प्रतीक है। यह यात्रा उनके संघर्षों को नमन करने और एक सशक्त, एकजुट भारत के निर्माण के प्रति हमारे संकल्प को पुनः पुष्ट करने का माध्यम है।उन्होंने कहा कि यह तिरंगा यात्रा महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, विट्ठलभाई पटेल जैसे महानायकों और उन अनगिनत गुमनाम वीरों को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि है, जिन्होंने जेल की यातनाएं सही, कठिनाइयों का सामना किया और देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उनका संदेश है कि हम सब मिलकर राष्ट्र की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखें और मज़बूत करें। गुप्ता ने हाल ही में संपन्न ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव में भारतीय सैनिकों द्वारा प्रदर्शित अदम्य साहस और बलिदान को नमन किया। उन्होंने कहा कि हमारे हर एक सैनिक में भारत की आत्मा बसती है। इन हालिया अभियानों में दिखाई गई उनकी वीरता यह स्मरण कराती है कि जिस स्वतंत्रता का हम आज आनंद लेते हैं, उसकी रक्षा हमारे जवान प्रतिदिन अपने पराक्रम और बलिदान से करते हैं।

दिल्ली पुलिस ने जुआ रैकेट का किया भंडाफोड़, अवैध हथियार के साथ कुख्यात गिरफ्तार

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस को एक महत्वपूर्ण कार्रवाई में दो सफलताएं हाथ लगीं। पुलिस ने एक जुआ रैकेट का भंडाफोड़ किया और एक कुख्यात अपराधी को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। दोनों ऑपरेशन किशनगढ़ पुलिस स्टेशन और ऑपरेशंस सेल के कर्मचारियों द्वारा किए गए। साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने सोमवार को प्रेस रिलीज जारी करके बताया, ऑपरेशंस सेल की एक टीम ने किशनगढ़ क्षेत्र से अवैध जुए में शामिल छह व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान अकिल खान (28), राजीव सिंह (44), शुभम कुमार चौरसिया (30), चंदरपाल (50), महेंद्र सिंह (60), और वाशिम (38) के रूप में हुई है, जिन्हें एक निजी आवास पर विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर छापेमारी के दौरान रंगे हाथों पकड़ा गया। रिलीज में बताया गया, उनकी गिरफ्तारी के साथ, 66,000 रुपये और कुल 104 ताश के पत्ते मौके से बरामद किए गए। 8 अगस्त को प्राप्त एक गुप्त सूचना के आधार पर, इंस्पेक्टर हरी सिंह के नेतृत्व और एसीपी विजय सिंह की निगरानी में टीम ने छापेमारी की। दिल्ली पब्लिक गैंबलिंग एक्ट के तहत एक मामला दर्ज किया गया है, और आगे की जांच जारी है। एक अलग ऑपरेशन में, किशनगढ़ पुलिस ने आर.के. पुरम के रहने वाले संजय को गिरफ्तार किया। 28 साल का ये बदमाश आदतन अपराधी है। गिरफ्तारी 10 अगस्त को मुनिरका गांव के पहाड़ी पार्क के पास नियमित गश्त के दौरान हुई। संदिग्ध गतिविधि देखने पर, पुलिस ने पीछा किया और संदिग्ध को पकड़ लिया। उसके पास से एक देसी पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि संजय पहले आर.के. पुरम और किशनगढ़ में दर्ज सात मामलों में डकैती, छिनैती, चोरी और आर्म्स एक्ट उल्लंघन में शामिल रहा है। आरोपी कथित तौर पर नशे का आदी है। उसने विभिन्न अपराधों में अवैध हथियार का उपयोग करने की बात कबूल की। आर्म्स एक्ट के तहत एक एफआईआर दर्ज की गई है, और हथियार जब्त कर लिया गया है। दोनों ऑपरेशन की सफलता पर साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के पुलिस उपायुक्त, अमित गोयल ने कहा, साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट पुलिस अपराधी नेटवर्क पर नकेल कसने, सुरक्षा सुनिश्चित करने और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

संपादकीय

वैश्विक अर्थव्यवस्था पर बढ़ता अमेरिकी आतंक और भारत

भाषाई विविधता का सौंदर्य

भारत को विविधता में एकता के लिए जाना जाता है। यहां सांस्कृतिक वैविध्य का अनूठापन है। देश में संस्कृति के कई पहलू जैसे खान-पान, वेश-भूषा, रहन-सहन और बोली-भाषा में भिन्नता के स्वरूप का सौंदर्य देखने को मिलता है। भाषा किसी संस्कृति की संवाहिका होती है और यह संस्कृति के सौंदर्य को निखारती है। किसी एक भाषा को जानना वहां की पूरी संस्कृति से परिचय करना होता है। हाल के दिनों में महाराष्ट्र में भाषाई विवाद को तूल दिया गया, जिसके बाद कई तरह के सवाल उठे। अभी भी बाजार में, ट्रेन और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह के विवाद देखने को लगातार मिल रहे हैं। इससे पहले बंगलुरु जैसे शहर में भी स्थानीय भाषा को लेकर विवाद हो चुके हैं, जहां बहुत बड़ी आबादी वहां की मूल निवासी नहीं है। राजनीति से प्रेरित होकर तमिलनाडु सदैव हिंदी का विरोध करता रहा है। ऐसे में भाषाएं अगर एक- दूसरे की विरोधी होने लगेंगी तो वैविध्य में जो सौंदर्य रहा है, जिस वजह से भारत को विविधताओं का का अनुपम देश कहा जाता है, उस छवि को नुकसान होगा और सांस्कृतिक रूप से हम कमजोर होंगे। इसके पीछे कई कारण हैं, जिन पर चर्चा करना आवश्यक गया है।

बहुधा ऐसे विवाद राजनीति से प्रेरित होते हैं। महाराष्ट्र में हाल में जो हुआ, उसे राजनीति के लिए भाषा के कंधे का इस्तेमाल कर और उसे अस्मिता से जोड़कर सामान्य लोगों को दिग्भ्रमित करने के प्रयास के तौर पर देखा जा सकता है। लोगों को धमकाने और मारपीट करने वाले विशेष राजनीतिक दल के सक्रिय कार्यकर्ता हैं। जाहिर है कि वे सत्ता के केंद्र में नहीं करते हुए दिखना उनकी जरूरत है। सरकार जब तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को पढ़ाने के लिए कह रही है तो किसी भी कारण उसका विरोध करना मानो उनका नैतिक दायित्व बन जाता है। महाराष्ट्र में पहली से पांचवीं कक्षा तक हिंदी भाषा को मराठी और अंग्रेजी बाद तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य रूप से पढ़ाए जाने को लेकर यह विवाद शुरू हुआ और अब यह पूरी तरह से राजनीतिक हो चुका है। सरकार ने त्रिभाषा सूत्र को अपनाते हुए अपनी अधिसूचना में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप अनिवार्य कर दिया था। हालांकि, विवाद के बाद अनिवार्य शब्द को हटा लिया गया।

मराठी और अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों में पहली से पांचवीं कक्षा तक के लिए हिंदी को तीसरी भाषा के में पढ़ाया जाएगा। यहां एक अच्छी लिए बात यह रही कि अगर विद्यार्थी हिंदी अतिरिक्त किसी अन्य भारतीय भाषा को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ना चाहते हैं, तो उन्हें इसकी अनुमति दी जाएगी, बशर्ते ऐसे विद्यार्थियों की संख्या बीस से कम न हो। हिंदी की अनिवार्यता को लेकर अन्य अस्मिताएं जागृत हो जाती हैं, लेकिन अंग्रेजी के वर्चस्व को लेकर इस तरह के विवाद प्रायः नहीं देखने को मिलते इसके पीछे एक कारण तो देश की राजनीति का बड़ा हिस्सा हिंदी क्षेत्र का है, इसलिए राजनीतिक रूप से खतरा हिंदी क्षेत्र से लगता । जबकि अंग्रेजी भारतीय भाषा न होने के कारण अस्मिता संबंधी कोई प्रश्न इससे जुड़ नहीं पाता और यही कारण है कि अंग्रेजी इस मामले में सुरक्षित रहती है।

क्षेत्रीय भाषाओं को लेकर यह मुद्दा भावनाओं से भी जुड़ जाता है, इसलिए सामान्य भोले-भाले लोगों को जब यह बात कह कर प्रभावित किया जाता है कि आप अपने ही क्षेत्र में धीरे-धीरे भाषाई अल्पसंख्यक हो जाएंगे, तो उनका डर स्वाभाविक रूप से बढ़ जाता है। डर का अपना मनोविज्ञान होता है, जो बहुत तेजी से कार्य करता है। साथ ही उनके अंदर यह भाव भी भरा जाता है कि दूसरी भाषा के लोग आपके क्षेत्र के संसाधनों का इस्तेमाल कर रहे हैं और आपकी नौकरियों पर अधिकार जमा रहे हैं। यह सब तब हो रहा है, जब संविधान पूरे देश में निर्बाध रूप से घूमने, रहने और रोजगार पाने आदि का अधिकार देता है।

इस विवाद का दूसरा पहलू भी महत्त्वपूर्ण है, जिस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। जब त्रिभाषा सूत्र को व्यवहार में लाया जा रहा था तो उत्तर भारत में हिंदी और अंग्रेजी के अतिरिक्त लगभग सभी जगहों पर विद्यार्थी तीसरी भाषा के रूप में संस्कृत पढ़ रहे थे। यह विद्यालयों में आम व्यवहार रूप में अपनाया गया और पीढ़ी दर पीढ़ी संस्कृत पढ़ी जाती रही। इस बात पर भी गौर करना जरूरी है कि जिन दक्षिण भारतीय लोगों द्वारा हिंदी का विरोध दर्ज कराया जाता है, उनकी भाषा को उत्तर भारतीयों द्वारा कभी सीखने का गंभीर प्रयास नहीं किया गया। यह एक प्रमुख कारण रहा, जिस वजह से हिंदी क्षेत्र ने अपना भरोसा कायम नहीं किया और जब भी हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने की बहस चली, तो सदैव वहां से तीव्र प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। इसका एक परिणाम यह भी हुआ कि उत्तर भारतीय और दक्षिण भारतीय लोग एक-दूसरे की संस्कृति से कम ही परिचित रहे।

इतिहास में अगर देखा जाए तो आजादी से पूर्व हिंदी से इतर क्षेत्रों के बड़े नेताओं ने हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में समर्थन दिया। सबसे पहला नाम महात्मा गांधी का है। इसके अलावा बंगाल में केशव चंद्र सेन, दक्षिण में मोदुरी सत्यनारायण, महाराष्ट्र में बाल गंगाधर तिलक और वीर र ने भी हिंदी की ही वकालत की। यही एक भाषा थी, जो सबको जोड़ सकती थी, लेकिन आजादी मिलने के बाद इसे भुला दिया गया और हिंदी की राष्ट्रभाषा की मांग की स्थिति कमजोर होती चली गई। अगर वर्ष 2011 1 को देखें तो 43 फीसद लोगों की प्राथमिक भाषा हिंदी सावरकर की जनगणना की है, लेकिन राष्ट्रभाषा वाला पहलू अब राजनीति से प्रेरित हो गया है। इस बार की जनगणना जो होने वाली है, उसमें इसकी संभावना थोड़ी सकती है, क्योंकि हिंदी क्षेत्रों में जनसंख्या तेजी से बढ़ी है।

यों भाषा का कार्य जोड़ने का है, लेकिन इसे सही दिशा नहीं दी जाए तो यही भाषा तोड़ने का भी कार्य कर सकती है। जैसा अभी हाल के विवादों में देखने को भी मिल रहा है। एक जिम्मेदार नागरिक के नाते हमारा कर्तव्य है कि हम अपनी भाषा के साथ-साथ दूसरे की भाषा का सम्मान करें। सहअस्तित्व का भाव हमारी संस्कृति का हिस्सा रहा और इसे आगे बढ़ाने की जरूरत है। अपनी भाषा से हम अपनी संस्कृति का परिचय प्राप्त करते हैं. हैं, तो दूसरी भाषा से दूसरी संस्कृति का यह क्रम हमें देश की अन्य समृद्ध संस्कृतियों से परिचय का अवसर देता है।

दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक होने के कारण अमेरिका लंबे समय से वैश्विक आर्थिक नीतियों पर दबदबा बनाए हुए है। यह दबदबा अब खुलेआम दादागिरी का रूप ले चुका है, खासकर जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मनमाने टैरिफ लगाकर देशों को आर्थिक रूप से झुकाने की कोशिश कर रहे हैं। भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने के बाद अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ की घोषणा ने इस दादागिरी को और स्पष्ट कर दिया है। यानी कुल मिलाकर 50 फीसदी का टैरिफ – यह न सिर्फ व्यापारिक प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करेगा, बल्कि वैश्विक व्यापार संतुलन पर भी असर डालेगा।

ट्रंप को भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने पर आपत्ति है, जबकि विडंबना यह है कि चीन भी यही कर रहा है और अमेरिका स्वयं रूस से यूरेनियम और खाद खरीद रहा है। यानी सिद्धांत और व्यवहार में अमेरिकी नीति दोहरे मानदंडों से भरी है। सवाल यह है कि भारत क्यों अपने हितों को ताक पर रखकर अमेरिकी दबाव में काम करे?

कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारत पर टैरिफ बढ़ोतरी के एलान के बाद पहली बार एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिक्रिया ने भारत के अडिग रुख को और मजबूती से सामने रखा है। उससे भारत का अडिग रवैया परिलक्षित हो रहा है। मोदी ने साफ कह दिया है कि हमारे लिए, हमारे किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है, चाहे उसके लिए कोई भी कीमत चुकानी पड़े। भारत किसानों, मछुआरों और डेयरी किसानों के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा। यह वक्तव्य बताता है कि भारत अब वैश्विक दबावों के आगे नतमस्तक नहीं होगा।

यूनाइटेड स्टेट्स ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव (यूएसटीआर) के आंकड़ों के अनुसार भारत-अमेरिका के बीच वार्षिक व्यापार 11 लाख करोड़ रुपये का है। भारत अमेरिका को 7.35 लाख करोड़ रुपये का निर्यात करता है, जिसमें दवाइयाँ, दूरसंचार उपकरण, जेम्स-एंड-ज्वेलरी, पेट्रोलियम, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग उत्पाद और वस्त्र शामिल हैं। वहीं, अमेरिका से भारत 3.46 लाख करोड़ रुपये का आयात करता है, जिसमें कच्चा तेल, कोयला, हीरे, विमान व अंतरिक्ष यानों के पुर्जे शामिल हैं।

लेकिन यहां चिंता की बात यह है कि चीन, वियतनाम, बांग्लादेश और इंडोनेशिया जैसे देशों पर अमेरिका ने इतना भारी शुल्क नहीं लगाया है, जिससे उनके उत्पाद भारतीय उत्पादों की तुलना में अमेरिकी बाजार में सस्ते पड़ेंगे। फिर भी, मोदी सरकार का रवैया दृढ़ है। साठ के दशक में हम गेहूं, दूध के लिए भी अमरीका पर निर्भर थे लेकिन लगता है ट्रंप ने उन दिनों लिखी गई कोई किताब ताजा मानकर पढ़ ली है। उन्हें आज भी पुराना भारत दिख रहा है, जिसे वह झुकाने की सोच रहे हैं। उन्हें यह समझ में आ जाना चाहिए कि अब भारत पहले वाला भारत नहीं रहा है।

वह आत्मनिर्भर एवं विश्व में तेजी से बढ़ती हुई अर्थ व्यवस्था है। भारत का पूरे विश्व में दबदबा बढ़ रहा है। उद्योग जगत भी इस दबाव को एक अवसर के रूप में देख रहा है। उद्योगपति हर्ष गोयनका का कहना है कि अमेरिका निर्यात पर टैरिफ लगा सकता है, लेकिन हमारी संप्रभुता पर नहीं। आनंद महिंद्रा ने तो यह भी कहा कि जैसे 1991 के विदेशी मुद्रा संकट ने उदारीकरण की राह खोली थी, वैसे ही यह टैरिफ संकट भी हमें आत्मनिर्भरता की दिशा में गति दे सकता है। ललित मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ट्रंप को 2023 की उस रिपोर्ट की याद दिलाई है, जो अमेरिका की कंपनी गोल्डमैन सैक्स ने ही जारी की थी।

गौरतलब है कि गोल्डमैन सैक्स ने इस रिपोर्ट में कहा था कि भारत 2075 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, जो न केवल जापान और जर्मनी, बल्कि संयुक्त राज्य अमेरिका को भी पीछे छोड़ देगा। रिपोर्ट में अनुमान है कि 2075 तक भारत की जीडीपी 52.5 ट्रिलियन डॉलर होगी, जो चीन के 57 ट्रिलियन डॉलर से कम लेकिन अमेरिका के 51.5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक होगी। वर्तमान में, भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और तेजी से आगे बढ़ रही है।

अमेरिका की आर्थिक दादागिरी कोई नई बात नहीं है। प्रथम विश्व युद्ध के बाद से ही वह वैश्विक आर्थिक नीतियों में अपनी शर्तें थोपता आया है, लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। चीन पहले ही उसके दबाव में नहीं आ रहा और अब भारत भी साफ संकेत दे रहा है कि उसकी प्राथमिकता अपने राष्ट्रीय हित हैं। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत-पाक युद्ध रोकने का श्रेय लेने की अमेरिकी कोशिश को भारत ने सिरे से खारिज कर दिया। यही रुख अब टैरिफ विवाद में भी नजर आ रहा है।

मोदी सरकार का लक्ष्य स्पष्ट है मेक इन इंडिया, वोकल फॉर लोकल और इंडिया फर्स्ट जैसी नीतियों के जरिये 2047 तक भारत को दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना। ऐसे में ट्रंप की टैरिफ राजनीति भारत के आत्मनिर्भरता अभियान को और तेज कर सकती है।

धैर्य और संयम के साथ नेतृत्व करना भारत की ताकत है। रामचरितमानस का वह प्रसंग याद आता है जब विभीषण ने युद्ध के समय श्रीराम से कहा कि रावण के पास सब कुछ है, पर आपके पास कुछ नहीं। तब श्रीराम ने उत्तर दिया कि सबसे बड़ी शक्ति धैर्य, शांति और सहनशीलता है। यही नीति आज भारत के नेतृत्व में झलक रही है जहां ट्रंप अभिमान में हैं, वहीं भारत दृढ़ता और शांति के साथ आगे बढ़ रहा है।

इतिहास ने साबित किया है कि अमेरिका कभी भी भारत का स्थायी मित्र नहीं रहा। ट्रंप की नीतियों का विरोध अमेरिका के भीतर भी हो रहा है। ऐसे में बदलते समीकरण भारत के लिए नए अवसर खोल सकते हैं। ट्रंप भले ही मनमाना रवैया अपनाए हुए हैं पर वह भी फंस रहे हैं। टैरिफ के मुद्दे पर उनका अमरीका में भी विरोध हो रहा है। बदले परिदृश्य मे नए वैश्विक समीकरण बनने की संभावनाएं हैं। ट्रंप का रुख चीन के साथ भारत के संबंधों को बदल सकता है।

पीएम मोदी इस महीने के आखिर में सात सालों के बाद चीन के दौरे पर जा रहे हैं। वह वहां तिआनजिन में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक आयोजित होने वाली शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (एसीओ) समिटम में शामिल होंगे। मोदी का यह चीन दौरा ऐसे समय में होने जा रहा है, जब दोनों देशों के रिश्तों को सुधारने की कोशिशें चल रही हैं। भारत बहुत बड़ा बाजार है, जिसकी चीन को सख्त जरूरत है। भारत मे जब भी स्वदेशी का मुद्दा उठता है तो चीन इसे अपने खिलाफ मानता है। स्वदेशी की अवधारणा का चीनी उत्पादों पर सर्वाधिक प्रभाव पड़ता है। ऐसे में चीन क्यों नहीं चाहेगा कि उसके भारत के साथ संबंध मधुर हों। खासकर, तब जब अमरीका खुद ही भारत से दूरियां बढ़ा रहा है। चीन को भारत के विशाल बाजार की जरूरत है, और अमेरिका के साथ भारत के रिश्तों में दूरी बढ़ने से बीजिंग अपने संबंध सुधारने को उत्सुक होगा।

अमेरिका की आर्थिक दादागिरी भले ही अभी भी जारी हो, पर बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत का आत्मविश्वास, अडिग रुख और दूरदर्शी नेतृत्व इसे न सिर्फ झेलने में सक्षम है, बल्कि इसे अपने विकास की सीढ़ी भी बना सकता है। आने वाले समय में अपने हितों की रक्षा करते हुए दुनिया में अपनी शर्तों पर आगे बढ़ना ही भारत की असली ताकत होगी । अर्थव्यवस्था के शिखर पर पहुंचकर भी भारत वसुधैव कुटुम्बकुम के मार्ग पर चलेगा। सबका कल्याण ही भारत की सोच है। हम तो प्राचीन काल से ही सर्वे भवन्तु सुखिनः ही सोच रखते हैं। दादागिरी हमारा स्वभाव नहीं है।

(लेखक विख्यात शिक्षा विद्, विचारक, चिंतक और वक्ता हैं।)

दिल्ली में लैंडफिल गैसें बन रही हैं मुसीबत

प्रमोद भार्गव

दिल्ली की आबोहवा खराब करने में कचरों के ऐसे ठिकाने खतरनाक साबित हो रहे हैं, जिनसे लैंडफिल गैसें हवा और जल स्त्रोतों को एक साथ प्रदूषित करते हैं। दिल्ली समेत समूचे राजनीति क्षेत्र में अनेक लैंडफिल ठिकाने हैं। इसलिए इस पूरे क्षेत्र में कचरे के इन ढेरों से फूटती लैंडफिल नामक षैतानी गैसों से एक बड़ी आबादी का जीना कठिन हो गया है। इन ठिकानों को हटाने और कचरे का वैज्ञानिक ढंग से निस्तारण करने के लिए विभिन्न संस्थाएं राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण और सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा चुकी हैं, लेकिन अब तक नतीजा ढांक के तीन पांत ही रहा है। अब मौसम विभाग की तर्ज पर लैंडफिल ठिकानों पर ह्यअर्ली वार्निंग सिस्टमह्य जैसी व्यवस्था होगी। इस कचरे से उत्सर्जित होने वाली तीव्र ज्वलनशील मीथेन गैस को चिन्हित करने वाले डिटेक्टर भी लगाए जाएंगे। इन ठिकानों के तापमान पर भी निगरानी रखने के लिए ह्यनान कांटेक्ट इंफ्रारेड थमार्मीटरह्य लगाए जाएंगे। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीक्यूएम) ने इन साइटों पर आग लगने की घटनाओं को थामने और इससे होने वाले प्रदूषण की रोकथाम के लिए 8 सूत्रीय निर्देश भी जारी किए हैं। इन निर्देशों का पालन दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश एवं राजस्थान सरकार को एनसीआर नगरों की सभी लैंडफिल साइटों पर इन निर्देशों का पालन करना होगा।

दिल्ली में गाजीपुर, भलस्वा तथा ओखला में लैंडफिल ठिकाने हैं। इनमें रोजाना हजारों टन कचरा डाला जाता है। इसके वैज्ञानिक ढंग से निस्तारण के कोई तकनीकी इंतजाम नहीं हैं। एनजीटी ने एक समिति का गठन कर उससे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के कचरे से बिजली पैदा करने की संभावना तलाशने को कहा था, लेकिन दिल्ली सरकार, दिल्ली प्रदूशण नियंत्रण समिति और केंद्रीय प्रदूशण नियंत्रण बोर्ड किसी परिणाम तक नही पहुंच पाए। इन ढेरों में अचानक आग भी लग जाती है, इस कारण समूचे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण जानलेवा साबित होने लगता है। पर्यावरणीय मामलों के प्रमुख वकील गौरव बंसल का कहना है कि ये लैंडफिल कचरों के ठिकाने नहीं हैं। क्योंकि ऐसे ठिकानों के लिए विशेष डिजाइन और कायदे-कानून का प्रावधान है। कचरा डालने से पहले इन मैदानों में मिट्टी, प्लास्टिक, जैव और जैव-चिकित्सा जैसे कचरे को अलग किया जाता है।

जबकि इन ठिकानों पर ऐसा कुछ भी नहीं होता है। इसलिए ये ठिकाने वेस्ट डंपिंग ग्राउंड बनकर रह गए हैं। दरअसल मीथेन गैस अत्यधिक ज्वलनशील गैस है। अन्य स्त्रोतों के अलावा लैंडफिल ठिकाने पर जमा जैविक कचरे के विघटित होने से मीथेन गैस का उत्सर्जन होता है। इस गैस में रंग और गंद नहीं होते है। इस कारण इसके रिसाव का पता नहीं चलता है। माना जाता है कि हवा में 5 से 15 प्रतिशत की सांद्रता से भी आग लग सकती है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पूर्व अपर निदेशक डॉ एसके त्यागी का कहना है कि मीथेन ग्रीन हाउस गैस है। उपग्रह से इसकी निकली छवि को देखा जा सकता है। इसे ट्रेप कर इसका उपयोग करने पर काम होना चाहिए। लेकिन सबसे ज्यादा जरूरी है कि महानागरों में इस तरह के बड़े कचरे के ढेरों को एकत्रित करने से रोका जाए। इसके लिए कचरे को अलगाने, उसे रिसाइकल करने एवं उससे खाद एवं ईंधन तैयार करने पर विचार होना चाहिए।

दरअसल लैंडफिल गैसें उन स्थलों से उत्सर्जित होती हैं, जहां गड्ढों में षहरी कचरा भर दिया गया हो। इस कचरे में औद्योगिक कचरा भी षमिल हो तो इसमें प्रदूशण की भयानकता और बढ़ जाती है। नए षोधों से पता चला है कि नियम-कानूनों को ताक पर रखकर लापरवाही से तैयार किए भूखंडों पर खड़ी इमारतों में चल रहे सूचना तकनीक के कारोबार में प्रयुक्त चांदी, तांबा और पीतल के कल-पूर्जों की सेहत लैंडफिल गौसों के संपर्क में आकर बिगड़ जाती है। इनका हमला निर्जीव यांत्रिक उपकरणों पर ही नहीं मानव स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर डालता है। हमारे देष की महानगर पालिकाएं और भवन-निमार्ता गड्ढो वाली भूमि के समतलीकरण का बड़ा आसान उपाय इस कचरे से खोज लेते हैं। रोजाना घरों से निकलने वाले कचरे और इलेक्ट्रॉनिक कचरे से गड्ढों को पाटने का काम बिना किसी रासायनिक उपचार के कर दिया जाता है। इस मिश्रित कचरे में मौजूद विभिन्न रसायन परस्पर संपर्क में आकर जब पांच-छह साल बाद रासायनिक क्रियाएं करते हैं, तो इसमें से जहरीली लैंडफिल गैसें पैदा होने लगती हैं। इनमें हाइड्रोजन पेरोक्साइड, हाइड्रोजन ऑक्साइड, मीथेन, कार्बन मोनोऑक्साइड और सल्फर डाइऑक्साइड इत्यादी होती हैं। कचरे के सड़ने से बनने वाली इन बदबूदार गैसों को वैज्ञानिकों ने लैंडफिल गैसों के दर्जे में रखकर एक अलग ही श्रेणी बना दी है। दफन कचरे में भीतर ही भीतर जहरीला तरल पदार्थ जमीन की दरारों में रिसता है। यह जमीन के भीतर रहने वाले जीवों के लिए प्राणघातक होता है। भूगर्भ में निरंतर बहते रहने वाले जल-स्त्रोतों में मिलकर यह शुद्ध पानी को जहरीला बना देता है। गंधक के अनेक जीवाणुनाशक यौगिक भूमि में फैलकर उसकी उर्वरा क्षमता को नष्ट कर देते हैं।

आधुनिक जीवन शैली बहुत अधिक कचरा पैदा करती है। इसलिए भारत ही नहीं, दुनिया के ज्यादातर विकसित और विकासशील देश कचरे को ठिकाने लगाने की समस्या से जूझ रहे हैं। लेकिन ज्यादातर विकसित देशों ने समझदारी बरतते हुए इस कचरे को अपने देशों में ही नष्ट कर देने की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। दरअसल पहले इन देशों में भी इस कचरे को धरती में गड्ढे खोदकर दफना देने की छूट थी। लेकिन जिन-जिन क्षेत्रों में यह कचरा दफनाया गया, उन-उन क्षेत्रों में लैंडफिल गैसों के उत्सर्जन से पर्यावरण बुरी तरह प्रभावित होकर खतरनाक बीमारियों का जनक बन गया। जब ये रोग लाइजाज बीमारियों के रूप में पहचाने जाने लगे तो इन देषों का षासन-प्रषासन जागा और उसने कानून बनाकर औद्योगिक व घरेलू कूड़े-कचरे को अपने देष में दफन करने पर सख्त प्रतिबंध लगा दिए। तब इन देषों ने इस कचरे को ठिकाने लगाने के लिए लाचार देषों की तलाश की और सबसे लाचार देष निकला भारत। दुनिया के 105 से भी ज्यादा देष अपना औद्योगिक कचरा भारत के समुद्री तटवर्ती इलाकों में जहाजों से भेजते हैं।

इन देषों में अमेरिका, चीन, ब्राजील, आस्ट्रेलिया, जर्मनी और ब्रिटेन प्रमुख हैं।

नेषनल एनवायरमेंट इंजीनियारिंग रिसर्च इंस्टीयूट के एक षोध पत्र के अनुसार वर्श 1997 से 2005 के बीच भारत में प्लास्टिक कचरे के आयात में 82 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई है। ये आयात देष में पुनर्षोधन व्यापार को बढ़ावा देने के बहाने किया जाता है। इस क्रम में विचारणीय पहलू यह है कि इस आयातित कचरे में खतरनाक माने जाने वाले ऑगेनो-मरक्यूरिक यौगिक निर्धारित मात्रा से 1500 गुना अधिक पाए गए हैं, जो कैंसर जैसी लाइजाज और भयानक बीमारी को जन्म देते हैं। सर्वोच्च न्यायालय की मुल्याकांन समीति के अनुसार देष में हर साल 44 लाख टन कचरा पैदा होता है। ऑगेनाईजेशन फॉर कॉरपोरेशन एंड डवलपमेंट ने इस मात्रा को 50 लाख टन बताया है। इसमें से केवल 38.3 प्रतिशत कचरे का ही पुनर्शोधन किया जा सकता है, जबकि 4.3 प्रतिशत कचरे को जलाकर नष्ट किया जा सकता है। लेकिन इस कचरे को औद्योगिक इकाईयों द्वारा ईमानदारी से पूनर्षोधित न किया जाकर ज्यादातर जल स्त्रोतों में धकेल दिया जाता है।

कचरा भण्डारों को नश्ट करने के ऐसे ही फौरी उपायों के चलते एक सर्वे में पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन ने पाया है कि हमारे देष के पेयजल में 750 से 1000 मिलिग्राम प्रति लीटर तक नाइट्रेट पानी में मिला हुआ है और अधिकांष आबादी को बिना किसी रासायनिक उपचार के पानी प्रदाय किया जा रहा है, जो लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर डालता है। एप्को के अनुसार नाइट्रेट बढ़ने का प्रमुख कारण औद्योगिक कचरा, मानव व पषु मल है।

ऐसे ही कारणों से लैंडफिल गैसों का उत्सर्जन बढ़ रहा है। नतीजतन बच्चों में ब्लू बेबी सिंड्रोम जैसी बीमारी फैल रही है। इन गैसों के आंख, गले और नाक में स्थित ष्लेश्मा परत के संपर्क में आने से दमा, सांस, त्वचा और एलर्जी की बिमारियां बढ़ रही हैं। कचरा मैदानों के ऊपर बने भवनों में रहने वाले लोगों में से, खास तौर से महिलाओं में मूत्राषय का कैंसर होने की आषंका बढ़ जाती है। लैंडिफल गैसें इन खतरों को चार गुना बढ़ा देती हैं। यह प्रदूशण गर्भ में पल रहे षिषु को भी प्रभावित करता है।

नियमानुसार कचरा मैदानों में भवन निर्माण का सिलसिला 15 साल बाद होना चाहिए। इस लंबी अवधि में कचरे के सड़ने की प्रक्रिया पूर्ण होकर लैंडफिल गैसों का उत्सर्जन भी समाप्त हो जाता है और जल में घुलनषील तरल पदार्थ का बनना भी बंद हो जाता है। लेकिन प्रकृति की इस नैसर्गिक प्रक्रिया के पूर्ण होने से पहले ही हमारे यहां जमीन के समतल होने के तत्काल बाद ही आलीषान इमारतें खड़ी करने का सिलसिला षुरू कर देते हैं। जिसका नतीजा उस क्षेत्र में रहने वाली आबादी और इलेक्ट्रोनिक उपकरणों को भुगतना होता है।

अब इस औद्योगिक व घरेलू कचरे को नश्ट करने के प्राकृतिक उपाय भी सामने आ रहे है। हालांकि हमारे देष के ग्रामीण अंचलों में घरेलू कचरे व मानव एवं पषु मल-मूत्र को घर के बाहर ही घरों में प्रसंस्करण करके खाद बनाने की परंपरा रही है। इसके चलते कचरा महामारी का रूप धारण कर जानलेवा बीमारियों का पर्याय न बनते हुए खेत की जरूरत के लिए ऐसी खाद में परिवर्तित होता है, जो फसल की उत्पादकता व पौश्टिकता बढ़ाता है। अब एक ऐसा ही अद्वितीय व अनूठा प्रयोग औद्योगिक व घरेलू जहरीले कचरे को नश्ट करने में सामने आया है।

गर्मी में भी पसीना कम आना कौन सी बीमारी का लक्षण है? एक्सपर्ट से जानें

गर्मी के मौसम में पसीना आना तो आम बात है. गर्मी में शरीर खुद को ठंडा रखने के लिए पसीना निकालता है. लेकिन अगर तापमान ज्यादा हो और फिर भी आपको पसीना न आए या बहुत कम आए, तो ये सामान्य नहीं है. कई लोग इसे हल्के में ले लेते हैं और सोचते हैं कि पसीना न आना अच्छी बात है क्योंकि इससे कपड़े गीले नहीं होंगे और चिपचिपाहट से बच जाएंगे. लेकिन सच ये है कि शरीर का पसीना न निकालना अंदर ही अंदर एक बड़ी समस्या का संकेत हो सकता है। जब बाहर 40 डिग्री से ज्यादा तापमान हो और आपका शरीर ठंडा रहने के लिए पसीना ही न निकाले तो गर्मी अंदर ही फंस जाती है. इससे शरीर का टेंपरेचर बढ़ सकता है और हीट स्ट्रोक तक हो सकता है. कई बार ये स्थिति अचानक नहीं बल्कि धीरे-धीरे बनती है।

आपको लगेगा कि पहले जितना पसीना आता था अब उतना नहीं आ रहा है. या फिर शरीर के कुछ हिस्सों में पसीना आ रहा है लेकिन बाकी हिस्सों में बिल्कुल नहीं. ये बदलाव किसी सामान्य थकान या पानी की कमी की वजह से नहीं होते बल्कि इसके पीछे गंभीर वजह छिपी हो सकती है.

दिल्ली के राजीव गांधी अस्पताल में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ अजीत जैन बताते हैं कि पसीना कम आने को मेडिकल भाषा में हाइपोहाइड्रोसिस कहा जाता है। अगर बिल्कुल भी पसीना न आए तो इसे एन्हाइड्रोसिस (अल्ॅ्रिड्ढ२२) कहा जाता है. ये कोई बीमारी नहीं बल्कि किसी और बीमारी का लक्षण हो सकता है. कई बार ये समस्या गड़बड़ी से होती है. तो कई बार त्वचा या पसीना ग्रंथियों में समस्या के कारण. इस दौरान शरीर अपने तापमान को सही से कंट्रोल नहीं कर पाता और ज्यादा गर्म हो जाता है.

अब सवाल है कि आखिर ऐसा क्यों होता है?

इसके पीछे कई वजह हो सकती हैं. जैसे कुछ लोगों को जन्म से ही पसीना कम आने की समस्या होती है. कुछ मामलों में डायबिटीज, स्किन डिसऑर्डर, नर्व डैमेज या ऑटोइम्यून बीमारियां भी इसका कारण बन सकती हैं. कुछ दवाएं भी पसीना कम कर देती हैं. और अगर आपने कभी रेडिएशन थेरेपी ली है तो उसके बाद भी पसीना आने की क्षमता प्रभावित हो सकती है. लेकिन असली खतरा तब है जब गर्मी में भी पसीना कम आना अचानक शुरू हो जाए. ये शरीर के अंदर किसी बड़ी बीमारी की ओर इशारा कर सकता है. जैसे झ्र न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर, स्किन डिसीज या फिर डिहाइड्रेशन से ज्यादा गंभीर समस्या. पसीना न आना एक तरह से शरीर का अलार्म है जो आपको बताना चाहता है कि अंदर कुछ गड़बड़ है.

आस्था की भीड़ में खोता इंसान!

सोनम लववंशी

हमारे समय का एक विडंबनापूर्ण दृश्य यह है कि मनुष्य, जिसने अंतरिक्ष की गहराइयों में झांकने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संवाद करने की क्षमता हासिल कर ली है, वह अपने ही पैरों तले कुचलकर भगवान के दर्शन करने के लिए दौड़ रहा है। मध्य प्रदेश के सीहोर स्थित कुबरेश्वर धाम में दो महिलाओं की मौत, कई घायल, यह न तो कोई पहला हादसा है, न आखिरी होने जा रहा है। यह केवल एक घटना नहीं, हमारी सामूहिक चेतना की उस दरार का प्रमाण है जिसमें आस्था, व्यवस्था और विवेक का संतुलन बिखर चुका है और ऐसे में सवाल यही है कि क्या हम आस्था के उस उन्मादी दौर में हैं, जहां किसी की जान की कोई कीमत नहीं? यह सवाल इसलिए भी है, क्योंकि मंदिर या तीर्थस्थल पर जाने से किसी के घर का चिराग बुझ जाए या चूल्हा जलना बंद हो जाए। तो इससे अधिक त्रासदीपूर्ण वेदना कोई दूसरी नहीं हो सकती है। वैसे भी आस्था, जब तक वह आत्मानुशासन और विवेक से जुड़ी रहती है, जीवन को उन्नत करती है। परंतु जब वह भीड़ की बेखबर लय में बहने लगती है, तो वह एक उन्मादी प्रवाह बन जाती है, जिसमें व्यक्ति का व्यक्तित्व, बुद्धि और स्वतंत्र निर्णय शक्ति डूब जाती है। भगदड़ दरअसल भीड़ की शारीरिक टक्कर नहीं है। यह सोच की भी टक्कर है, जहां विज्ञान और व्यवस्था की समझ, परंपरा के अंधविश्वास से हार जाती है।

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के अनुसार, पिछले पच्चीस वर्षों में देश के भीतर 3000 से अधिक लोग मारे गए हैं। इनमें से अधिकांश घटनाएं धार्मिक स्थलों या आयोजनों से जुड़ी हैं। हाथरस में 121 लोग, रतनगढ़ में 115, चामुंडा देवी में 224, नैना देवी में 146, मंधार देवी में 258, दिल्ली स्टेशन 18, ये सब हमें एक ही बात कह रहे हैं कि भगवान भीड़ में नहीं मिलते, विवेक में मिलते हैं। लेकिन इक्कीसवीं सदी का मानव है कि इसे समझने को तैयार नहीं और इन सभी घटनाओं का पैटर्न लगभग एक जैसा रहा। क्षमता से कई गुना अधिक भीड़, अपर्याप्त निकासी मार्ग, आपातकालीन प्रबंधन का अभाव और अफवाह की एक चिंगारी, जो पलों में मृत्यु की लपट बन जाती है। यह भीड़ का मनोविज्ञान है। जिसमें व्यक्ति अपनी सोच खो देता है और एक अज्ञात भय या लालसा में, दूसरों को धकेलते हुए आगे बढ़ने लगता है। यह वह क्षण होता है जब मनुष्य, जो तर्कशील होने का दावा तो करता है, फिर अपने सबसे आदिम स्वभाव में लौट आता है कि ह्यपहले मैंह्ल। धार्मिक आयोजनों में यह प्रवृत्ति और गहरी हो जाती है, क्योंकि उसमें ह्यपुण्यह्ल और ह्यमोक्षह्ल जैसे अदृश्य पुरस्कार जुड़े होते हैं, जो लोगों को यह विश्वास दिलाते हैं कि समय गंवाना पाप है, और रुकना हानि।

सबसे बड़ा दोष इस सोच का है कि ह्लभगवान सब देख रहे हैं, वे बचा लेंगेह्व यह विचार न केवल बौद्धिक आलस्य है, बल्कि जिम्मेदारी से भागने का भी एक साधन है। जीवन रक्षा का विज्ञान कहता है कि किसी भी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए स्पष्ट प्रवेश और निकास मार्ग, भीड़ की गणना का वैज्ञानिक आकलन, आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था, और प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मियों की अनिवार्यता। पर हमारे यहां धार्मिक आयोजनों में यह सब ह्यश्रद्धाह्ल के आगे गौण मान लिया जाता है। आयोजक इसे भगवान की कृपा के भरोसे छोड़ देते हैं, और प्रशासन इसे भावनात्मक मामला समझकर कठोर कदम उठाने से बचता है।

गाजा पर इजराइल के हमले में दो पत्रकारों सहित 5 की मौत, इजराइल ने एक पत्रकार को बताया हमास का आतंकी

तेल अवीव। गाजा पर इजराइल के ताजा हमले में अल-जजीरा के दो पत्रकारों के साथ पांच लोगों की मौत हो गई है। इजराइल डिफेंस फोर्सेज ने हमले में मारे गए एक पत्रकार अनस अल शरीफ को हमास का आतंकी बताया है। दी येरुशलम पोस्ट के मुताबिक गाजा के अल-शिफा अस्पताल के पास इजराइल के ताजा हमले में दो पत्रकारों सहित पांच लोगों की मौत हो गई। इनमें अल जजीरा के लिए काम करने वाले फिलिस्तीनी पत्रकार अनस अल शरीफ भी शामिल हैं। हमले के बाद इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने बयान जारी कर दावा किया है कि अनस अल-शरीफ हमास के आतंकी सेल के प्रमुख के रूप में काम कर चुका था और इजराइली नागरिकों और आईडीएफ सैनिकों के खिलाफ रॉकेट हमलों को आगे बढ़ाने में शामिल था।

नेतन्याहू ने गाजा में विदेशी पत्रकारों को अनुमति देने की योजना की घोषणा की

यरुशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करने के दौरान गाजा में अधिक विदेशी पत्रकारों को सेना के साथ रिपोर्टिंग करने की अनुमति देने की योजना की भी घोषणा की। उन्होंने इस मौके पर गाजा में जीत की अपनी रूपरेखा भी पेश की। हमास के खिलाफ 22 महीने से जारी युद्ध के दौरान गाजा में प्रवेश पर कड़ी पाबंदियां लगी रही हैं। 07 अक्टूबर 2023 को फिलिस्तीनी उग्रवादी समूह के हमले के बाद से इजराइल ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए अधिकांश विदेशी पत्रकारों को स्वतंत्र रूप से गाजा में जाने से रोका है। अब तक कुछ चुनिंदा मौकों पर इजराइली सेना ने सुरक्षा अधिकारियों की सख्त निगरानी में पत्रकारों को एंबेड मिशनों पर गाजा ले गए हैं। नेतन्याहू ने कहा, हमने निर्णय लिया है और सेना को निर्देश दिया है कि विदेशी पत्रकारों को, बहुत से विदेशी पत्रकारों को, गाजा में लाया जाए।÷ उन्होंने यह भी जोड़ा, सुरक्षा सुनिश्चित करने में समस्या है, लेकिन मेरा मानना है कि यह जिम्मेदारी और सावधानी के साथ, आपकी सुरक्षा बनाए रखते हुए यह किया जा सकता है।हालांकि, प्रधानमंत्री ने इस योजना के कार्यान्वयन को लेकर कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की।

गाजा सिटी पर कब्जे की इजराइली योजना पर यूरोपीय देशों का कड़ा विरोध

मैड्रिड। स्पेन सहित आठ यूरोपीय देशों ने इजराइल की गाजा सिटी पर कब्जे की योजना को लेकर कड़ा विरोध जताया है। इन देशों ने चेतावनी दी है कि इस कदम से बड़े पैमाने पर नागरिकों की मौत हो सकती है और लगभग दस लाख फिलिस्तीनियों को जबरन विस्थापित होना पड़ सकता है। दरअसल, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सुरक्षा कैबिनेट ने गाजा सिटी पर नियंत्रण के लिए बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान की मंजूरी दी थी। इस फैसले के बाद इजराइल के भीतर और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर विरोध के स्वर तेज हो गए हैं। आठों देशों के विदेश मंत्रियों के संयुक्त बयान में कहा है कि यह निर्णय मानवीय संकट को और गहरा करेगा तथा शेष बंधकों के जीवन को और अधिक खतरे में डालेगा। बयान में अनुमान जताया गया कि इस अभियान से अस्वीकार्य स्तर पर नागरिक मौतें होंगी और लाखों लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर होंगे। विदेश मंत्रियों ने यह भी कहा कि गाजा सिटी पर कब्जा और सैन्य नियंत्रण, दो-राष्ट्र समाधान की दिशा में एक ÷बड़ा अवरोध÷ साबित होगा, जो ही व्यापक, न्यायपूर्ण और स्थायी शांति का एकमात्र मार्ग है। इस बयान पर स्पेन के अलावा आइसलैंड, आयरलैंड, लक्जमबर्ग, माल्टा, नॉर्वे, पुर्तगाल और स्लोवेनिया ने हस्ताक्षर किए हैं।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, इजराइल के कुछ सहयोगी देशों सहित कई शक्तियां बंधकों की रिहाई और गाजा में मानवीय संकट को कम करने के लिए वार्ता के जरिए युद्धविराम की अपील कर रही हैं।

लंदन में इजराइली बंधकों की रिहाई की मांग को लेकर मार्च, मध्य पूर्व तनाव ने बढ़ाई ब्रिटेन में हलचल

लंदन। गाजा युद्ध के बीच ब्रिटेन में बढ़ते तनाव के माहौल में लंदन के मध्य क्षेत्र में इजराइली बंधकों की रिहाई की मांग को लेकर लोगों ने मार्च किया। प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री आवास तक रैली निकालने की योजना के साथ आगे बढ़े। मार्च में हिस्सा लेने वालों में नोआ गुटमैन भी शामिल थीं, जो 24 वर्षीय बंधक एव्यातार डेविड की चचेरी बहन हैं। डेविड को पिछले सप्ताह हमास द्वारा जारी एक वीडियो में दिखाया गया था, जिसमें वे गाजा की सुरंग में अपना ही कब्रगाह खोदते हुए बेहद कमजोर हालत में नजर आए। इस वीडियो ने इजराइल में गुस्सा भड़का दिया था। उल्लेखनीय है कि 07 अक्टूबर 2023 को हमास-नेतृत्व वाले उग्रवादियों ने इजराइल पर हमले के दौरान 251 लोगों को अगवा किया था। इनमें से करीब 50 अब तक रिहा नहीं हुए हैं और अनुमान है कि 20 जीवित हैं।

इजराइल ने पिछले सप्ताह गाजा सिटी पर कब्जा करने की योजना की घोषणा की थी, जिसे युद्ध समाप्त करने और बंधकों को छुड़ाने की रणनीति का हिस्सा बताया गया। हालांकि, बंधकों के परिजन और कई अंतरराष्ट्रीय नेता इस योजना की आलोचना कर चुके हैं, उनका कहना है कि इससे और खून-खराबा होगा और बंधकों की जान पर खतरा बढ़ेगा।

काबुल में पानी का संकट गहराया, जिला 13 सबसे अधिक प्रभावित

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में पानी का संकट गहरा गया है। राजधानी का जिला 13 सबसे अधिक प्रभावित है। यहां सुबह से शाम तक लोग पानी की तलाश में इधर-उधर भटकते हैं। बच्चे-बूढ़े जल स्रोतों पर बच्चे-बूढ़े-जवानों की लंबी कतार लगी रहती है। तुलुअ न्यूज के अनुसार जिला 13 के निवासियों के लिए जिंदगी एक चुनौती बन गई है। हर किसी को पीने के पानी की एक घूंट की तलाश में सड़कों पर निकलना पड़ रहा है। सुबह से ही कतारें लग जाती हैं। हर कोई पानी खत्म होने से पहले अपने परिवार के लिए थोड़ा-बहुत पेयजल घर ले जाने की उम्मीद करता है। जिला 13 के निवासी यार मोहम्मद ने कहा, मैं हर रोज पांच बैरल पानी खरीदता हूं। पानी की खपत बहुत अधिक है। 1000 लीटर के पानी के एक बैरल की कीमत 1.1 डॉलर चुकानी पड़ रही है। इसी जिले के बशीर अहमद ने कहा, हम पानी की तलाश में इधर-उधर भटकते रहते हैं। सरकार से हमारी विनती है कि वह इस ओर ध्यान दे। इस इलाके के एक नाबालिग लड़के मोहम्मद फैज ने कहा, मैं सुबह जल्दी आता हूं और 11 बजे तक पानी की व्यवस्था करता हूं। कभी हमारे बैरल भरे होते हैं, कभी खाली रहते हैं। पानी की समस्या पर जल प्रबंधन विशेषज्ञ इस बात पर जोर दे रहे हैं कि इस चुनौती से निपटने के लिए सभी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और देश के नागरिकों को मिलकर काम करना होगा। जल विशेषज्ञ नजीब रहमान सादिद ने कहा, पंजशीर जलग्रहण क्षेत्र से पानी स्थानांतरित करने जैसी परियोजनाएं मददगार हो सकती हैं। बगदरा बांध का काम जल्द पूरा होना चाहिए। ऊर्जा और जल मंत्रालय के प्रवक्ता मतिउल्लाह आबेद ने कहा, मंत्रालय की शाह वा एरोस बांध से काबुल तक पानी पहुंचाने की योजना है। इस्लामिक अमीरात की कैबिनेट ने प्रशासनिक कार्यालय के नेतृत्व में एक समिति गठित की है। इसमें संबंधित विभाग शामिल हैं और तकनीकी कार्य शुरू हो गया है। काबुल शहर को 22 जिलों में बांटा गया है। जिला 13 उनमें से एक है। तालिबान के काबुल के पुनर्विकास कार्यक्रम के तहत जिला 13 में अनौपचारिक बस्तियों को बड़े पैमाने पर तोड़ा गया था।

यूनुस शासन में बांग्लादेश चरमपंथी और सांप्रदायिक ताकतों से तबाह हो रहा है: अवामी लीग

एजेंसी

ढाका। अवामी लीग ने सोमवार को मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। पार्टी ने कहा कि देश इस समय चरमपंथी, सांप्रदायिक और आतंकवादी ताकतों के साथ ही विदेशी एजेंटों की खतरनाक गतिविधियों से गंभीर खतरे और तबाही की स्थिति में है। पार्टी ने कहा कि बांग्लादेश में मौजूदा सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक संकटपर काबू पाने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को बहाल करने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व में 21 मांगें पेश की गई हैं।

भयानक संकट की ओर इशारा करते हुए पार्टी ने कहा कि बांग्लादेश, जिसे बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के नेतृत्व में हुए मुक्ति संग्राम के बाद बनाया गया था, आज चरमपंथी, सांप्रदायिक और आतंकवादी ताकतों के हमलों से बुरी तरह प्रभावित है।

पार्टी ने कहा कि देश अब संकट में है और युद्ध के मैदान जैसी स्थिति में पहुंच चुका है। घायल और खून से लथपथ जमीन बन गया है। अवामी लीग ने कहा, देश में लोकतंत्र खत्म हो गया है, मानवाधिकारों का लगातार हनन हो रहा है, मीडिया की आजादी छिन ली गई है और महिलाओं के खिलाफ हिंसा, हमले और बलात्कार जैसी घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। आम लोगों का जीवन और संपत्ति सुरक्षित नहीं है, धार्मिक अल्पसंख्यकों को अत्याचार का सामना करना पड़ रहा है और कानून-व्यवस्था पूरी तरह से बिगड़ चुकी है।

तुर्की में 6.1 तीव्रता का भूकंप, एक व्यक्ति की मौत

एजेंसी

इस्तांबुल । तुर्की के उत्तर-पश्चिमी प्रांत बालिकेसिर में 6.1 तीव्रता का भूकंप आया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। आपदा और आपातकालीन प्रबंधन प्राधिकरण (एएफएडी) के अनुसार, यह भूकंप रविवार शाम 7 बजकर 53 मिनट पर सिंदिरगी जिले में आया। गृह मंत्री अली येरलिकाया ने बताया कि 81 साल के एक बुजुर्ग को बचाने के बाद उनकी मौत हो गई। कई लोग घायल हुए और 15 से ज्यादा इमारतें गिर गईं। एनटीवी प्रसारक पर दिखाए गए फुटेज में मलबे में तब्दील एक इमारत दिखाई दे रही है, जिसके मलबे में फंसे लोगों को निकालने की कोशिश की जा रही है। समाचार एजेंसी के अनुसार, मंत्री येरलिकाया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि यह झटका इस्तांबुल और आसपास के इलाकों में भी महसूस हुआ। इसके बाद एएफएडी और सभी संबंधित एजेंसियों ने तुरंत मौके पर जाकर जांच शुरू कर दी। उन्होंने कहा, ÷फिलहाल, किसी भी प्रतिकूल स्थिति की कोई रिपोर्ट नहीं है, और हम घटनाक्रम पर कड़ी नजर रख रहे हैं। तुर्की मीडिया द्वारा प्रसारित तस्वीरों के अनुसार, भूकंप के बाद

बालिकेसिर प्रांत में कई इमारतें ढह गईं। इससे पहले, 3 अगस्त को भी प्रशांत महासागर में रूस के कामचटका प्रायद्वीप पर 6.8 तीव्रता का झटका महसूस किया गया था। यह भूकंप स्थानीय समयानुसार शाम 5 बजकर 37 मिनट पर आया था। यह क्षेत्रीय राजधानी पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से 277 किलोमीटर दूर, 26 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। जर्मन भूविज्ञान अनुसंधान केंद्र (जीएफजेड) के अनुसार, इससे पहले रूस के कुरील द्वीप समूह में 7 की तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप आया था। प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने भूकंप की तीव्रता 7.0 मापी और पुष्टि की है कि भूकंप के बाद कोई सुनामी चेतावनी जारी नहीं की गई थी। यह भूकंप कुरील द्वीप समूह के पूर्व में रात दर्ज किए गए 6.2 तीव्रता के एक और भूकंप के बाद आया था। यह भूकंपीय गतिविधि 30 जुलाई को आए 8.7 तीव्रता के भीषण भूकंप के बाद हुई थी, जो अब तक दुनिया भर में दर्ज किए गए छठे सबसे शक्तिशाली भूकंप के बराबर है।

पाकिस्तान में 22 दिन से खुंजेराब दर्रे के रास्ते चीन के बीच व्यापार और यात्रा बाधित

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के गिलगित-बाल्तिस्तान के काराकोरम राजमार्ग (केकेएच) पर चल रहे धरने के कारण लगातार 22वें दिन खुंजेराब दर्रे के रास्ते पाकिस्तान और चीन के बीच यात्रा और व्यापार बाधित रहा। सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच गतिरोध जारी है।

नींद से जागी संघीय सरकार ने समस्या के समाधान के लिए आनन-फानन में सोमवार को बैठक आहूत की है। डान अखबार की खबर के अनुसार, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संघीय समिति का गठन किया है। समिति इस मुद्दे के समाधान के लिए आज बैठक करेगी। गिलगित-बाल्तिस्तान के मुख्यमंत्री हाजी गुलबर खान, मुख्य सचिव अबरार अहमद मिर्जा, पीपीपी अध्यक्ष अमजद हुसैन एडवोकेट, पूर्व मुख्यमंत्री और पीएमएल-एन अध्यक्ष हफीजुर रहमान को भी समिति में शामिल किया गया है। ताजिर इत्तेहाद एक्शन कमेटी के विरोध प्रदर्शन की वजह से पाकिस्तान और चीन के बीच व्यापार और यात्रा, साथ ही

सोस्ट ड्राई पोर्ट पर व्यावसायिक गतिविधियां पिछले 22 दिनों से बंद हैं। ताजिर इत्तेहाद एक्शन कमेटी आहूत विरोध प्रदर्शन को व्यापारिक संगठनों, स्थानीय सरकार, विपक्षी दलों और क्षेत्र के धार्मिक समूहों का समर्थन प्राप्त है। इस मामले को सुलझाने के लिए मुख्यमंत्री हाजी गुलबर खान के प्रसास से गठित एक समिति के सदस्यों ने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन के आयोजकों से मुलाकात की। उन्होंने मुद्दों पर चर्चा की और प्रधानमंत्री की समिति के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए सिफारिशें तैयार कीं। प्रदर्शनकारियों ने समिति को दो सूत्री एजेंडा दिया है। उन्होंने खुंजेरब दर्रे के माध्यम से चीन से आयातित वस्तुओं पर राज्य के निवासियों को आयकर, बिक्री कर और अन्य संघीय करों से छूट और एकमुश्त माफी योजना की मांग की है।

पाकिस्तान से एक दिन में 300 परिवार और 350 कैदी अफगानिस्तान भेजे गए

एजेंसी

काबुल। पाकिस्तान से एक दिन में 300 परिवारों और 350 कैदियों को अफगानिस्तान भेजा गया है। पाकिस्तान से निर्वासित किए गए इन लोगों की पीड़ा यह है कि उनका सारा सामान वहीं छूट गया है। अफगानिस्तान पहुंचे इन लोगों को उनके संबंधित क्षेत्रों में स्थानांतरित किया गया है। अफगानिस्तान के तुलूअ न्यूज के अनुसार, नांगरहार के अधिकारियों का कहना है कि आवश्यक सहायता प्रदान करने के बाद निर्वासित लोगों को उनके गृह क्षेत्रों में स्थानांतरित कर दिया गया है। तोरखम में प्रवासी परिवहन प्रमुख बख्त जमाल गोहर ने कहा, पिछले 24 घंटों में 300 परिवारों को वापस भेजा गया है। इसके अलावा पाकिस्तान ने 350 कैदियों को हमें सौंपा है। इनमें निर्वासित लोगों के 20 परिवार शामिल हैं। इनके पास कानूनी दस्तावेज भी हैं। इन

प्रवासियों और निर्वासित लोगों को परिवहन समिति ने उनके संबंधित क्षेत्रों में स्थानांतरित कर दिया है। बख्त जमाल गोहर ने कहा कि कुछ निर्वासित व्यक्ति इस्लामिक अमीरात और अंतरराष्ट्रीय सहायता संगठनों से अधिक सहायता प्रदान करने की मांग कर रहे हैं। पाकिस्तान से निर्वासित एजाजुल हक ने कहा, हमारा सारा सामान वहीं छूट गया। मैं अपने साथ केवल एक गद्दा और एक बिस्तर लाया था। एक अन्य निर्वासित शरबत खान ने कहा, 40 साल बाद हम अपने वतन लौट आए हैं। हम खुश हैं, लेकिन सहायता के अलावा हमें जमीन भी चाहिए। बताया गया है कि कुनार के नारी जिले के 50 वर्षीय निवासी अब्दुल्ला को तीन दशक तक पाकिस्तान में रहने के बाद जबरन निर्वासित किया गया है। उनके तीन विकलांग बेटे हैं और उन्हें आठ दिन पहले पाकिस्तान पुलिस ने निर्वासित किया है। अब्दुल्ला ने कहा, मैं मजदूरी कर रहा था। वे अचानक आए, मुझे गिरफ्तार कर निर्वासित कर दिया। मेरे तीन बच्चे विकलांग हैं और बाकी तीन स्वस्थ हैं। उन्हें भी कल निर्वासित कर दिया गया। अब्दुल्ला के बेटे शरीफुल्लाह ने कहा, हमें अपने पिता के बारे में कोई खबर नहीं थी। हमने थानों के चक्कर लगाए, तब पता चला कि हमारे पिता को निर्वासित कर दिया गया है।

पाकिस्तान के वजीरिस्तान में सैनिकों पर हमला, एक जवान की मौत, जवाबी कार्रवाई में दो आतंकी मारे गए

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के वजीरिस्तान में सैनिकों की टुकड़ी पर घात लगाकर किए गए हमले में एक जवान की मौत हो गई। इस दौरान सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई में दो आतंकवादी मारे गए। डान अखबार की वेबसाइट में सुरक्षा सूत्रों के हवाले से यह खबर आज सुबह प्रसारित की गई। सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, सैनिकों की टुकड़ी उत्तरी वजीरिस्तान के शावल मर्राह इलाके से ऊपरी दक्षिणी वजीरिस्तान के सिरनाराई इलाके में आगे बढ़ रही थी। तभी घात लगाकर बैठे आतंकवादियों ने अचानक गोलियां बरसानी शुरू कर दी। इसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। इस गोलीबारी में जवान नवीद की मौत हो गई। नायक अमजद, सिपाही अबू बकर, सिपाही सियाम, सिपाही नासिर और सिपाही शौकत घायल हो गए। सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई में दो आतंकवादियों को मार गिराया। पाकिस्तान की सेना की

मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने अभी तक इस घटना पर कोई बयान जारी नहीं किया है। घायल जवानों को इलाज के लिए रजमाक स्थित एक सैन्य केंद्र में पहुंचाया गया। अधिकारियों के अनुसार, इलाके में सक्रिय आतंकवादियों के खिलाफ अभियान जारी है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में फ्रंटियर कोर की गोलीबारी में मारे गए युवक के रिश्तेदारों पर मुकदमा

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में स्थानीय पुलिस ने 18 जुलाई को फ्रंटियर कोर (एफसी) की कथित गोलीबारी में मारे गए युवक की हत्या के विरोध में हुए प्रदर्शन के सिलसिले में अब पीड़ित रिश्तेदारों और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है। रिश्तेदारों ने चगाई में विरोध प्रदर्शन कर अंतिम संस्कार वाहन के चालक शाह डार की हत्या के विरोध में प्रदर्शन कर कार्रवाई की मांग की थी। द बलूचिस्तान पोस्ट की खबर में दावा किया गया है कि 18 जुलाई को शाह डार पुत्र अमानुल्लाह की चगाई जिले के नोकुंडी इलाके में एफसी की गोलीबारी में मौत हो गई थी। घटना के बाद स्थानीय लोगों और शाह डार

के के परिवार व रिश्तेदारों ने विरोध प्रदर्शन किया था। शव को बाब उमर चौक पर रख कर जाम लगा दिया था। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि युवक की हत्या में शामिल अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। लेकिन पुलिस ने बल के अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की और अब प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस और एफसी पर हमले के आरोप में मामला दर्ज किया है।

पुलिस ने मामले में कई लोगों को नामजद किया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, 18 जुलाई को शाह डार की मौत के बाद एफसी ने उसके शव को अपने कब्जे में ले लिया था। परिजनों को शव के पास जाने की अनुमति नहीं दी गई। यह विरोध प्रदर्शन इसी वजह से हुआ था। प्रत्यक्षदर्शियों और सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो के अनुसार, विरोध प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर हवा में गोलियां भी चलाईं, जिससे स्थिति और बिगड़ गई थी।

आईडीएफ ने आतंकवाद के आरोप में एक पत्रकार की हत्या की, कहा, 'प्रेस बैज आतंकवाद के लिए ढाल नहीं है'

एजेंसी

यरूशलम । इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने सोमवार को पुष्टि की कि गाजा में एक हमले में अल जजीरा के पत्रकार अनस अल-शरीफ की मौत हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि वह 'हमास में एक आतंकवादी सेल का प्रमुख' था और चेतावनी दी कि 'प्रेस आतंकवाद के लिए ढाल नहीं है।' अल-शरीफ अपने साथियों, इब्राहिम जहीर, मोमेन अलीवा और मोहम्मद नौफल, के साथ मारा गया। एक बयान में, सेना ने कहा, ÷ल-शरीफ हमास के एक आतंकवादी समूह का प्रमुख था, और उसने इजरायली नागरिकों और आईडीएफ सैनिकों पर रॉकेट हमले किए थे। गाजा से मिली खुफिया जानकारी और दस्तावेज में रोस्टर, टेररिस्ट ट्रेनिंग लिस्ट और वेतन रिकॉर्ड शामिल हैं। यह साबित करते हैं कि वह अल जजीरा से जुड़ा एक हमास कार्यकर्ता था। आईडीएफ ने आगे कहा कि अक्टूबर में उसने गाजा में जब्त की गई सामग्री प्रकाशित की थी, जिससे अल-शरीफ के हमास से सैन्य संबंध की स्पष्ट रूप से पुष्टि हुई थी। सेना ने आगे कहा, ये दस्तावेज एक बार फिर उसकी आतंकवादी गतिविधि की पुष्टि करते हैं, जिसे अल जजीरा ने नकारने की कोशिश की। इजरायली सेना ने कहा कि जब्त किए गए दस्तावेजों में कर्मियों की टेबल्स, टेररिस्ट ट्रेनिंग कोर्स की लिस्ट, टेलीफोन डायरेक्टरी और सैलरी रिकॉर्ड शामिल हैं, जो स्पष्ट रूप से साबित करते हैं कि वह गाजा पट्टी में हमास आतंकवादी संगठन के लिए एक आतंकवादी के रूप में काम करता था। उन्होंने दावा किया कि इन दस्तावेज़ों से यह भी पता चलता है कि आतंकवादी का कतर के मीडिया नेटवर्क अल जज़ीरा में जुड़ाव था। इजरायल ने कहा कि हमले से पहले, नागरिक हताहतों की संख्या कम करने के लिए सटीक हथियारों का इस्तेमाल, हवाई निगरानी और अतिरिक्त खुफिया आकलन जैसे उपाय किए गए थे। अल-शरीफ अपनी मौत से पहले सोशल मीडिया पर एक्टिव थे और गाजा में इजरायली बमबारी के बारे में एक्स पर पोस्ट कर रहे थे। उनकी मौत की खबर आने के बाद, उनके सहयोगियों ने उनके अकाउंट से एक पहले से लिखा हुआ संदेश पोस्ट किया, जिसमें लिखा था: अगर मेरे ये शब्द आप तक पहुँचें, तो जान लें कि इजरायल मुझे मारने और मेरी आवाज़ को खामोश करने में कामयाब हो गया है।

अमेरिकी धरती से पाकिस्तानी सेना प्रमुख की भारत को परमाणु बम की गीदड भभकी

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर में बुरी तरह पिटने के बाद भी पाकिस्तान गीदड़ भभकी देने से बाज नहीं आ रहा है। पाकिस्तान के सेना प्रमुख और स्वयंभू फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने एक बार फिर भारत के खिलाफ परमाणु हमले की धमकी दी है। मुनीर इन दिनों अमेरिका के दौरे पर हैं और फ्लोरिडा के टाम्पा स्थित ग्रैंड हयात होटल में एक डिनर के दौरान उन्होंने यह विवादित बयान दिया। डिनर में मौजूद पाकिस्तानी कारोबारी अदनान असद और अन्य मेहमानों के सामने मुनीर ने कहा कि यदि भारत के साथ जंग में पाकिस्तान का अस्तित्व खतरे में आया, तो आधी दुनिया को अपने साथ ले जाएंगे। उन्होंने यह भी जोड़ा कि सिंधु नदी भारतीयों की खानदानी संपत्ति नहीं है और पाकिस्तान के पास मिसाइलों की कोई कमी नहीं है। मुनीर ने आरोप लगाया कि भारत ने सिंधु जल समझौते का उल्लंघन कर 25 करोड़ लोगों को भूख और प्यास के खतरे में डाल दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि पाकिस्तान भारत के बांध बनने का इंतजार करेगा और जब बांध तैयार हो जाएगा, तब उसे मिसाइलों से उड़ा देगा। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि भारत पर किसी भी तरह का परमाणु हमले की धमकी से डरने वाला नहीं है। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री मोदी भारतीय संसद और अनेक मंचों से बार बार दोहरा चुके हैं कि ऑपरेशन सिंदूर समाप्त नहीं हुआ है, स्थगित किया गया है।

शेख हसीना सहित 47 लोगों के खिलाफ दर्ज तीन मामलों में अधिकारियों के बयान दर्ज

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के तीन अधिकारियों ने राजुक पुर्बाचल न्यू टाउन परियोजना के भूखंडों के आवंटन में धांधली को लेकर अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना सहित 47 लोगों के खिलाफ दायर तीन मामलों में आज अदालत के समक्ष अपने बयान दर्ज कराए। इसके बाद कोर्ट ने तीनों मामलों की सुनवाई 26 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी। ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) के उप निदेशक सलाहुद्दीन, सहायक निदेशक अफनान जन्नत केया और एसएम रशीदुल हसन के बयान ढाका विशेष न्यायाधीश कोर्ट-5 में दर्ज किए गए। न्यायाधीश मोहम्मद अब्दुल्ला अल मामून ने इसके बाद तीनों मामलों की सुनवाई 26 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी। अदालत ने 31 जुलाई को इन मामलों में आरोप तय करते हुए आरोपितों के फरार होने के कारण उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी किए थे। इस अदालत के अलावा ढाका विशेष न्यायाधीश कोर्ट-4 ने 31 जुलाई को इसी संबंध में दर्ज तीन अन्य मामलों में आरोप तय किए थे। 20 जुलाई को ढाका मेट्रोपॉलिटन के वरिष्ठ विशेष न्यायाधीश जाकिर हुसैन गालिब ने मामलों को विशेष न्यायाधीश की अदालत में भेजा था। इससे पहले पहली जुलाई को अदालत ने इन मामलों में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना, उनकी बहन शेख रेहाना और उनके बेटे सजीब वाजेद जॉय सहित 100 लोगों को तलब करते हुए एक राजपत्र अधिसूचना प्रकाशित करने का आदेश दिया था।एसीसी ने 12 जनवरी से 14 जनवरी तक छह मामले दर्ज किए हैं। संबंधित जांच अधिकारियों ने 10 मार्च को आरोप पत्र दाखिल किए। एसीसी के उप निदेशक मोहम्मद सलाहुद्दीन ने 14 जनवरी को शेख हसीना समेत आठ लोगों के खिलाफ पूर्वाचल न्यू टाउन परियोजना में 10 कट्ठा प्लॉट आवंटित करने में सत्ता का दुरुपयोग करने का मामला दर्ज कराया। जांच अधिकारी और एसीसी की सहायक निदेशक अफनान जन्नत केया ने 10 मार्च को कुल 12 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया। एसीसी के सहायक निदेशक एसएम रशीदुल हसन ने इसी सिलसिले में 10 मार्च को शेख हसीना और उनके बेटे सजीब वाजेद जॉय समेत 15 लोगों के खिलाफ दूसरा मामला दर्ज कराया। उन्होंने 10 मार्च को 17 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया। एसीसी के उप निदेशक मोहम्मद सलाहुद्दीन ने 13 जनवरी को शेख हसीना, उनकी बहन शेख रेहाना, रेहाना के बेटे रदवान मुजीब सिद्दीक और बेटियों ट्यूलिप सिद्दीक और अजमीना सिद्दीक समेत 15 लोगों के खिलाफ राजुक से प्लॉट हासिल करने के लिए सत्ता का दुरुपयोग करने का एक और मामला दर्ज कराया। बाद में एसीसी ने 17 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया। एसीसी ने उसी दिन शेख हसीना, ट्यूलिप सिद्दीक और अजमीना सिद्दीक सहित 16 लोगों के खिलाफ एक और मामला दर्ज किया। बाद में एसीसी ने 18 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया। उसने 13 जनवरी को रादवान मुजीब सिद्दीक और 15 अन्य के खिलाफ भी एक और मामला दर्ज किया। इस मामले में एसीसी ने 18 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया। एसीसी की सहायक निदेशक अफनान जन्नत केया ने 12 जनवरी को शेख हसीना और साइमा वाजेद पुतुल सहित 16 लोगों के खिलाफ एक और मामला दर्ज किया। एसीसी ने इस मामले में 18 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से नर तेंदुए की मौत

बिजनौर। वन्यजीवों और मानव बस्तियों के बीच बढ़ रहें संपर्क का एक और उदाहरण चांदपुर के ग्राम बिराल में सामने आया है, जहां एक नर तेंदुए की मौत हाई टेंशन बिजली लाइन से करंट लगने के कारण हो गई। सोमवार सुबह ग्रामीणों ने नहर के पास पीपल के पेड़ के नीचे तेंदुए का शव देखा।

चांदपुर वन क्षेत्र अधिकारी दुष्यंत सिंह के अनुसार, मृत तेंदुए की उम्र लगभग तीन वर्ष है और प्राथमिक जांच में करंट से मौत की आशंका है। जिस पेड़ के नीचे शव मिला, उस पर 11,000 वोल्ट की लाइन गुजर रही थी। संभावना है कि तेंदुआ पेड़ पर चढ़ा और बिजली की चपेट में आ गया।

वन्यजीव विशेषज्ञ मानते हैं कि बिजली लाइनों के नजदीक वन्यजीवों की आवाजाही जानलेवा साबित हो सकती है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत का कारण स्पष्ट होगा।

दिल्ली-एनसीआर-64वां सुब्रतो कप फुटबॉल टूर्नामेंट 19 अगस्त से शुरू होगा

दिव्य दिल्ली : दिल्ली-एनसीआर - 64वां सुब्रतो कप फुटबॉल टूर्नामेंट 19 अगस्त से शुरू होने जा रहा है, जिसमें कुल 106 टीमें, जिनमें चार अंतरराष्ट्रीय टीमें (श्रीलंका और नेपाल सहित) भी शामिल हैं, तीन आयु वर्ग–जूनियर लड़के (अंडर-17), जूनियर लड़कियां (अंडर-17) और सब-जूनियर लड़के (अंडर-15)–में खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। वायु सेना खेल नियंत्रण बोर्ड के तत्वावधान में सुब्रतो मुखर्जी स्पोर्ट्स एजुकेशन

सोसाइटी द्वारा आयोजित यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट दिल्ली-एनसीआर और बेंगलुरु के विभिन्न मैदानों पर 25 सितंबर तक खेला जाएगा। इस अवसर पर भारतीय महिला फुटबॉलर दालिमा छिब्बर, जो खुद 2011 में इसी टूर्नामेंट से अपने सफर की शुरूआत कर चुकी हैं, मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। "हम सही दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं, और सफलता अब समय की बात है," दालिमा ने कहा। टूर्नामेंट के दौरान "इंडियन टाइगर और टाइग्रेस" प्रतिभा खोज अभियान के तहत सात खिलाड़ियों का चयन जर्मनी में प्रशिक्षण के लिए होगा। पहले दिन जूनियर लड़कियों के मुकाबले दिल्ली-एनसीआर में होंगे, जबकि सब-जूनियर वर्ग के मैच 2 सितंबर से बेंगलुरु में और जूनियर लड़कों के मैच 16 सितंबर से दिल्ली-एनसीआर में शुरू होंगे।

कुल 200 से अधिक मैच खेले जाएंगे, और निष्पक्ष खेल के लिए आयु निर्धारण परीक्षण भी कराया जाएगा।

दिल्ली में टेस्ला का दूसरा शोरूम एयरोसिटी में खुला

दिव्य दिल्ली : दिल्ली में टेस्ला का दूसरा शोरूम एयरोसिटी में खुला है जो एनसीआर के ग्राहकों को सेवाएं देगा। मुंबई के बाद दिल्ली में शोरूम खुलने से टेस्ला के इलेक्ट्रिक वाहनों का इंतजार कर रहे लोगों को बड़ी खुशखबरी मिली है। मॉडल वाई दो वेरिएंट में उपलब्ध है जिनकी कीमत 60 लाख रुपये से शुरू होती है। टेस्ला कार का बेसब्री से इंतजार कर रहे दिल्लीवासियों के बड़ी खुशखबरी है। अमेरिकी कारोबारी एलन मस्क की इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला ने मुंबई के बाद दूसरे शोरूम का सोमवार को दिल्ली में शुभारंभ कर दिया है। टेस्ला एक्सपीरियंस सेंटर दिल्ली में एयरोसिटी के अपस्केल वर्ल्डमार्क-तीन कॉम्प्लेक्स में खोला गया है और यह एनसीआर के उपभोक्ताओं को सर्विस देगा। इससे पहले 15 जुलाई को कंपनी ने मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्थित

मेकर मैक्सिको मॉल में अपना पहला भारतीय शोरूम खोला था। टेस्ला ने मॉडल वाई दो वैरिएंट में उपलब्ध होगा। रियर-व्हील ड्राइव की कीमत 60 लाख रुपये है और लॉन्ग रेंज रियल व्हील ड्राइवर की कीमत 68 लाख रुपये है। ग्राहक टेस्ला के फुल सेल्फ-ड्राइविंग का भी विकल्प चुन सकते हैं, जिसकी कीमत बेस प्राइस से छह लाख रुपये अतिरिक्त है। मॉडल वाई की डिलीवरी 2025 की तीसरी तिमाही में शुरू होने की उम्मीद है। टेस्ला ने मुंबई में अपना पहला शोरूम खोलने के कुछ सप्ताह बाद मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कांप्लेक्स (बीकेसी) में अपनी पहली चार्जिंग सुविधा भी शुरू कर दी है। एक बार चार्ज करने पर 622 किलोमीटर का सफर तय कर सकती है।

मॉडल वाई कार केवल 15 मिनट की चार्जिंग से 267 किलोमीटर तक की रेंज देने में सक्षम है। टेस्ला मॉडल वाई का रजिस्ट्रेशन और डिलीवरी सबसे पहले मुंबई, दिल्ली, पुणे और गुरुग्राम शुरू होगा। कंपनी टेस्ला के इलेक्ट्रिक सेडान मॉडल वाई की एक्स शोरूम प्राइस 59.89 लाख रुपये से शुरू होकर 73.89 लाख रुपये तक जाती है। टेस्ला की इस ईवी को दो वेरिएंट में पेश किया गया है, जो कि रियर व्हील ड्राइव और लान्ग रेंज रियर व्हील ड्राइव के रूप है। प्रेसवार्ता में टेस्ला की एक अधिकारी ने बताया कि टेस्ला सुरक्षा से समझौता नहीं करता है और यही इसकी प्राथमिकता है। टेस्ला का विश्व का सबसे बड़ा चार्जिंग नेटवर्क है। टेस्ला को चार्ज करना बेहद आसान है और इसे मोबाइल फोन की तरह चार्ज किया जा सकेगा। टेस्ला इस्तेमाल करने वालों को घर और ऑफिस में भी चार्जिंग की सुविधा दी जाएगी। कार की खरीद के लिए ऑर्डर लिया जा रह है। सितंबर में टेस्ला की पहली डिलीवरी होगी। दिल्ली में चार सुप्रचार्जिंग स्टेशन और तीन डिस्टिनेशन चार्जिंग होंगे। इसके बाद बेंगलुरु में सुप्रचार्जिंग स्टेशन बनाया जाएगा।

उप्र के बस्ती में सिपाही ने पत्नी की चाकू से गोदकर की हत्या

बस्ती। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में सोमवार की देर रात पुलिस विभाग में तैनात सिपाही ने पत्नी की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। बीती दो अगस्त को ही सिपाही ने मृतका से प्रेम विवाह किया था। उसे शक था कि उसकी पत्नी का किसी के साथ अवैध संबंध है।

यह घटना सदर कोतवाली क्षेत्र के जेल गेट चौकी के पास की है। आरोपित सिपाही गामा निषाद ने अपनी पत्नी माया की हत्या के बाद मंगलवार की सुबह पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार करते हुए कार्यवाही शुरू कर दी है।

पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने बताया आरोपित पुलिस विभाग में सिपाही के पद पर तैनात है, जिसने 10 दिन पहले अपनी प्रेमिका से लव मैरिज की थी। शादी के बाद से ही दोनों के बीच आए दिन किसी न किसी बात को लेकर विवाद हो रहा था। सिपाही गामा को पत्नी के चरित्र पर शक था, जिसके चलते दोनों के बीच तनाव बढ़ता गया। 11 अगस्त की देर रात जेल गेट चौकी के पास स्थित उनके किराये के मकान में दोनों के बीच फिर से तीखी बहस हुई। इसी दौरान गुस्से में आकर सिपाही गामा ने पत्नी पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद गामा ने खुद को कमरे में बंद कर लिया और कुछ देर बाद सदर कोतवाली पहुंचकर पुलिस को घटना की जानकारी दी। सदर कोतवाली पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। आरोपित सिपाही गामा निषाद से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त चाकू को भी बरामद कर लिया है।

कार सवार युवक नदी के तेज बहाव में बहा

बिजनौर। बढ़ापुर क्षेत्र के कलवा वीर मंदिर से कार द्वारा दर्शन कर वापस लौट रहा युवक कार सहित गुलाह नदी में बह गया। पेड़ों की शाखाओं के सहारे युवक कार से बाहर निकला। जबकि कार को लोगों ने आठ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद तलाश कर जेसीबी से बाहर निकाला।

कस्बे के समीप गुलाह नदी पार बाबा कलवा वीर मंदिर स्थित है। जहां पर सोमवार को काफी संख्या में श्रद्धालु बाबा के दर्शन करने के लिए पहुंचते है थाना नहटौर के ग्राम कश्मीरी राधोपुर निवासी अभय कुमार पुत्र अशोक कुमार अपनी बैगनआर कार से रविवार की शाम बाबा के दर्शन करने आया था रात्रि में वह मंदिर पर ही ठहर गया। सुबह सवेरे लगभग चार बजे वह वापस घर लौट रहा था गुलाह नदी पर बने रपटे पर गाड़ी के पहुंचते ही नदी का जलस्तर बढ़ गया। युवक कार सहित नदी की तेज धार में बहने लगा। कुछ दूर बहने पर युवक ने नदी किनारे एक पेड़ की शाखा को पकड़ लिया और उसी की मदद से गाड़ी से बाहर निकला। जबकि गाड़ी पानी के तेज बहाव में बह गई। युवक ने घटना की जानकारी पास के मुहल्ला पक्काबाग निवासी लोगों को दी। सूचना मिलने पर सैकड़ों लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। युवकों ने नदी में गाड़ी को तलाशना किया। घटनास्थल के लगभग 600 मीटर की दूरी पर गाड़ी पानी में डूबी हुई मिली। पुलिस ने ट्रैक्टर और जेसीबी मंगवाकर कार को बमुश्किल नदी से बाहर निकलवाया। सूचना मिलने पर युवक के स्वजन भी मौके पर पहुंचे।

आजादी के दीवानों ने देश के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले के सैदाबाद में शहीदों की याद में कांग्रेस पार्टी द्वारा एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। जिसमें आजादी के शहीद स्वयंवर पटेल,सुबोध यादव, दयाल चमार,चंद्रमा प्रसाद शुक्ला को नमन करते हुए मुख्य वक्ता कांग्रेस के गंगापार जिला अध्यक्ष अशफाक अहमद ने कहा कि आजादी के दीवानों का इतिहास हमें आपको अपना सर्वस्व न्योछावर करके देश सेवा के लिए प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहा कि आजादी के लिए कितने शहीद फांसी के फंदे से लटक कर अपने को देश की आन बान शान के लिए कुर्बान कर दिया, कितने जांबाज नौजवान ने देश के लिए गोलियां खाई कितनों ने जेल में तन्हाई में अपने जीवन बिताए उन्हीं बलिदानी शहीदों की आत्म बलिदान को स्मरण करते हुए आज हमें आपको संकल्पित होकर देश सेवा के लिए प्रेरणा लेनी चाहिए।

कांग्रेस नेता शेखर बहुगुणा ने कहा कि यह धरती अमर वीर बलिदानी शहीदों की है गांधी जी द्वारा मुंबई में करो या मरो के नारे के साथ आजादी के लिए चलाए जा रहे अगस्त क्रांति की आवाज देश में चारों तरफ ऐसी फैली कि देश का कोई भी हिस्सा इस आंदोलन से अछूता न रहा।

इस आंदोलन से प्रभावित होकर सैदाबाद में हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर उतर गए और मार्टिन क्रो तत्कालीन गवर्नर जो सरकारी खजाने को लेकर जा रहा था उसे जनता ने रोक कर अंग्रेजों भारत छोड़ो के नारे लगाने लगे फल स्वरुप गवर्नर आग बबूला हो उठा और उसने गोली चलाने का आदेश दे दिया जिससे वही मौके पर चार लोग शहीद हो गए।

इस अवसर पर निवर्तमान प्रदेश महासचिव राम किशुन पटेल,अजय शुक्ला,महेंद्र प्रताप सिंह,परवेज ताहिर,सद्दाम हुसैन सिद्दीकी,लवकुश मिश्रा,महेश शुक्ला, शिवचंद बिन्द, राजकुमार श्रीवास्तव, अवधेश कुमार,सुरेंद्र पांडे,तीरथ राज तिवारी,धीरज राज मिश्रा,भागीरथी कौशल,देवेंद्र शुक्ला,धर्मराज मिश्रा, सीवू आलम,राजेंद्र मिश्रा,मोहम्मद शमीम,मुस्तफा अंसारी,आदि लोग उपस्थित रहे।

Zero Foundation NGO ने बेटियों की शिक्षा के लिए निकाली स्कूटी/बाइक रैली

<u>दिव्य दिल्ली : नई दिल्ली</u>

10 अगस्त 2025 Zero Foundation NGO द्वारा बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के संदेश पर आधारित स्कूटी/बाइक रैली का सफल आयोजन किया गया। इस रैली का उद्देश्य समाज में बेटियों की शिक्षा के महत्व पर जागरूकता फैलाना था। रैली की शुरूआत प्रातः 7:00 बजे NSUT, द्वारका से हुई और विभिन्न प्रमुख मार्गों से होते हुए अम्बरहाई, द्वारका सेक्टर-19 में इसका समापन हुआ। इसमें सैकड़ों महिला एवं पुरुष बाइकर्स ने भाग लिया, जिनमें छात्राएं, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न संगठनों के सदस्य शामिल थे। इस अवसर पर माननीय सांसद श्रीमती कमलजीत सेहरावत ने शिरकत कर NGO के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा– "बेटियों की शिक्षा हमारे समाज और देश के विकास की कुंजी है, और इस तरह की पहल सकारात्मक बदलाव लाने में अहम भूमिका निभाती है।" संस्था के संस्थापक एवं अध्यक्ष श्री अजय मेहरा ने कहा– "शिक्षा हर बेटी का जन्मसिद्ध अधिकार है, और समाज के हर वर्ग को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।" कार्यक्रम की सफलता में सहयोग देने वालों में श्रीमती रेनू वधावन, श्रीमती पुनीता शर्मा, श्रीमती मोनिका कपिल, श्रीमती सोनिया शर्मा, सुश्री खुशी वैद, श्री सचिन अरोड़ा, तथा ऑफिस एडमिन टीम से प्रियंका और मंजू का विशेष आभार व्यक्त किया गया। Rider's Admin Team से डॉ. अमजदखान नदीम शेख, श्री अशोक शर्मा और श्री आमिर सिद्दीकी की टीम का योगदान उल्लेखनीय रहा। रैली को

फ्लैग ऑफ कर्नल एस. एस. बख्शी ने किया।

प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट ऑफ पार्टिसिपेशन प्रदान किए गए और कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। 2018 से शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक विकास में सक्रिय Zero Foundation NGO ने इस आयोजन से एक बार फिर सिद्ध किया कि जनभागीदारी और सामूहिक प्रयास से सकारात्मक बदलाव संभव है।

देशभर से जुटे नेत्र विशेषज्ञों ने अपने गहन मंथन और वर्षों के अनुभव को किया साझा

मुरादाबाद। ए काइन उत्तर प्रदेश स्टेट चैप्टर के द्वारा सातवीं एनुअल मीटिंग का आयोजन मुरादाबाद के सीएल गुप्ता नेत्र संस्थान में हुआ। कार्यक्रम में यूपीएसओएस और एमओएस का विशेष सानिध्य प्राप्त हुआ। कांफ्रेंस में देशभर से जुटे नेत्र विशेषज्ञों ने अपने गहन मंथन और वर्षों के अनुभव को साझा किया। प्रोफेसर स्वप्न कुमार सामंता ने सभी का स्वागत किया।

कम्युनिटी आई हेल्थ सर्विसेज की सेवाएं जो कि उत्तर प्रदेश में दी जा रही हैं उनके पक्षों पर चर्चा करने के लिए विभिन्न राज्यों से आए डा बीएन चौधरी, डा प्रिया सुमन रस्तोगी, डा आलोक मजूमदार, डा मेघना राय, प्रो आरपी मौर्य, डा विनोद सिंह, डा नवेंदु राय, डा विजय जोशी, डा. प्रवीण वशिष्ठ) को आमंत्रित किया गया था। सभी नेत्र विशेषज्ञों ने अपने गहन मंथन और वर्षों के अनुभव को साझा किया। इस कांफ्रेंस में पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल स्टूडेंट्स के द्वारा एक पोस्टर प्रेजेंटेशन का भी आयोजन किया गया। साथ ही केस प्रेजेंटेशन में डा सरिता, डा विशाल, डा शिवांगी, डा प्रेरणा, डा वैशाली, डा आदिति, डा हिमांशु, डा कीर्ति और डा आयशा ने आई केयर इंडस्ट्री के विभिन्न पहलुओं पर अपनी केस प्रेजेंटेशन प्रस्तुत की। संचालन डा अभिषेक ने किया।

सफल कार्यक्रम आयोजन के लिए सीएल गुप्ता नेत्र संस्थान के डायरेक्टर डा. प्रदीप अग्रवाल को सम्मानित किया गया। नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी बेहतरीन सेवाएं देने के लिए सीएल गुप्ता नेत्र संस्थान के डा मुकेश कुमार, डा पीयूष कोहली व डा मयंक शर्मा को सम्मानित किया गया।

पिता पुत्र सहित नौ अज्ञात के खिलाफ का मुकदमा दर्ज

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के सुमेरपुर थानाक्षेत्र के ग्राम सिमनौड़ी में मारपीट के मामले में पुलिस ने सोमवार को पिता पुत्र सहित नौ अज्ञात को नामजद किया है। गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज होते ही आरोपी भूमिगत हो गए हैं।

सिमनौड़ी गांव निवासी चंद्रपाल ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया था कि गांव निवासी रामकिशुन यादव उसके पुत्र वीरू ने आठ नौ अज्ञात लोगों के साथ मिलकर उसके नलकूप पर हमला बोला था आरोपी भाई धर्मेंद्र को तलाश रहे थे।

उसने भागकर जान बचाई थी। बाद में यह गांव पहुंचे और पशुबाड़े में मौजूद भाई धर्मेंद्र को पकड़कर जमकर मारपीट करते हुए धारदार हथियार से हमला कर लहुलुहान कर दिया था।

नचईया हिन्दू को लडईया हिन्दू बनाने का संकल्प, निकाली शोभायात्रा

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के मौदहा कस्बे के हिन्दू समाज में नशा और नाच की पैठ बना चुकी परम्परा को खत्म करने के लिए युवाओं को शस्त्र धारण करने की प्रेरणा देने के उददेश्य से सोमवार को शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें जमकर शस्त्रों का प्रदर्शन किया गया। भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। जबकि उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, कोतवाली प्रभारी और नायब तहसील लगातार शोभायात्रा में नजर बनाए रहे।

मौदहा कस्बे के मोहल्ला कुम्हरौड़ा स्थित एक गेस्ट हाउस से शिवशक्ति

निरंजनी अखाड़े के संत मधुराम शिवा की अगुवाई में सनातनी युवाओं ने एक शोभायात्रा निकाली। जो विभिन्न मार्गों से गुजरती हुई बडी देवी मंदिर में धार्मिक अनुष्ठान के साथ सम्पन्न हुई। युवाओं ने जमकर धार्मिक नारे लगाए। जबकि सनातन धर्म के देवी देवताओं द्वारा धारण किए जाने वाले तलवार, भाला, फरसा, बांका, गदा सहित अन्य शस्त्रो का जमकर प्रदर्शन किया गया। इस दौरान राज नारायण गुप्ता, आकाश त्रिपाठी, अनूप सिंह, आशीष सिंह अल्लू, छोटेलाल प्रजापति सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे। शोभायात्रा की अगुवाई कर रहे संत मधुराम शिवा ने बताया कि यात्रा का उद्देश्य सनातन धर्म के युवाओं में फैली नशाखोरी और धार्मिक यात्राओं में नाचने की परम्परा देवताओं द्वारा धारण किए जाने वाले शस्त्रों के बारे में जागरूक करना है। उन्हें नचईया हिन्दू से लडईया हिन्दू बनाना है। जो नशा न करें और शस्त्र धारण करे।

मृतका के पुत्र ने छह लोगों के खिलाफ दी हत्या की तहरीर

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के सुमेरपुर कस्बे की इमलिया थोक में भाई के बचाव के दौरान हुई बहन की मौत मामले में मृतका के पुत्र ने छह लोगों के खिलाफ हत्या की तहरीर सौंपी है। पुलिस ने सोमवार को पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों के सुपुर्द किया है। पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मामला दर्ज करने की बात पुलिस कह रही है।

‘वॉर 2’ एक्ट्रेस

कियारा आडवाणी

की सबसे कमाऊ फिल्म कौन सी है? 6 साल पहले बटोरे थे 380 करोड़

बॉलीवुड के सबसे बड़े सुपरस्टार्स में से एक ऋतिक रोशन अगले हफ्ते फैंस को एक बड़ा तोहफा देने जा रहे हैं. ऋतिक अपनी फिल्म ‘वॉर’ का सीक्वल ‘वॉर 2’ ला रहे हैं. इसमें साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर भी नजर आएंगे. जबकि फिल्म की लीड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी हैं. अपने 11 साल करियर में उन्होंने अब तक कई एक्टर्स के साथ काम किया है. हालांकि वॉर 2 के जरिए पहली बार ऋतिक और कियारा आडवाणी की जोड़ी बड़े पर्दे पर नजर आने वाली है.कियारा आडवाणी ने करीब 11 साल पहले अपने कदम हिंदी सिनेमा में रखे थे. अब वो ऋतिक रोशन जैसे सुपरस्टार के साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाली हैं. उम्मीद जताई जा रही है कि वॉर 2 ऋतिक और कियारा के करियर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म साबित हो सकती है. इससे पहले आइए जानते हैं कि कियारा की अब तक की सबसे ज्यादा कमाने वाली फिल्म कौन सी है ?

2014 में किया था डेब्यू

34 साल की हो चुकीं कियारा आडवाणी का जन्म 13 जुलाई 1991 को मुंबई में हुआ था. उन्होंने करीब 23 साल की उम्र में बतौर लीड एक्ट्रेस अपने कदम हिंदी सिनेमा में रखे थे. एक्ट्रेस की पहली फिल्म ‘फगली’ थी जो साल 2014 में आई थी. इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और जल्द ही वो एक कामयाब अभिनेत्री के रूप में पहचान बना चुकी थीं.

कियारा आडवाणी की सबसे कमाऊ फिल्म

कियारा आडवाणी ने अपने करियर में ‘गुड न्यूज’, ‘शेरशाह’, ‘भूल भुलैया 2 , एमएस धोनी- द अनटोल्ड स्टोरी’ जैसी फिल्मों से फैंस का दिल जीता. वहीं उनकी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली पिक्चर की बात करें तो वो है ‘कबीर सिंह’. साल 2019 में रिलीज हुई इस फिल्म में उन्होने मशहूर एक्टर शाहिद कपूर के अपोजिट काम किया था. 55 करोड़ में बनी फिल्म ने दुनियाभर में करीब 380 करोड़ रुपये का कारोबार किया था.

कबीर सिंह की कमाई से ज्यादा है वॉर 2 का बजट

कियारा आडवाणी की आने वाली फिल्म वॉर 2 सिनेमाघरों में 14 अगस्त को दस्तक देने वाली है. इसका डायरेक्शन अयान मुखर्जी ने किया है. इसके बजट की बात करें तो वो कबीर सिंह की कमाई (380 करोड़ रुपये) से ज्यादा (400 करोड़ रुपये) है.

तने मिनट का होगा टाइगर श्रॉफ की फिल्म का Teaser, मिला ‘A’ सर्टिफिकेट

बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ इन दिनों अपनी फिल्म बागी 4 को लेकर चर्चा में हैं. ये फिल्म बागी फ्रेंचाइज की चौथी फिल्म है. एक नई थ्रिलर कहानी के साथ लंबे वक्त के बाद थिएटर्स में वापसी करने जा रहे हैं. ऐसे में टाइगर के फैंस काफी एक्साइटेड हैं. हाल ही में टाइगर ने फिल्म को लेकर एक अपडेट भी शेयर की है, जहां एक तारीख की तस्वीर को पोस्ट की गई है. इस तस्वीर में जो तारीख लिखी है वो 11.1.11 है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऐसा माना जा रहा है कि 11 अगस्त को 01 बजकर 11 मिनट पर बागी 4 का टीजर रिलीज किया जा सकता है.इस बात को लगभग कन्फर्म करते हुए भी एक खबर सामने आई है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, टाइगर की फिल्म के टीजर को छ्क्रन्नष्ट से सर्टिफिकेट मिल गया है. फिल्म की रिलीज डेट की बात करें तो ये फिल्म 5 सितंबर को रिलीज होगी. बागी 4 को ए.हर्षा ने डायरेक्ट किया है. फिल्म में संजय दत्त, सोनम बाजवा और हरनाज संधू नजर आने वाले हैं.

बागी 4 के टीजर को मिला ‘A’ सर्टिफिकेट

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बागी 4 के टीजर को ‘.’ सर्टिफिकेट दिया गया है. ये टीजर 1 मिनट 53 सेकेंड का होने वाला है. जिस तरह से टाइगर ने डेट का अनाउंसमेंट किया है, ऐसे में फैंस इस बात का अंदाजा लगा रहे हैं कि 11 अगस्त को 1 बजकर 11 मिनट पर इस फिल्म का टीजर रिलीज किया जा सकता है. टाइगर का बागी 4 का फर्स्ट लुक जब सामने आया था, तो सभी काफी हैरान रह गए थे, क्योंकि इस पोस्टर में टाइगर का लुक काफी अलग और किलर लग रहा था.

फ्रेंचाइज की चौथी फिल्म

बात करें, फिल्म फ्रेंचाइज की तो इस फ्रेंचाइज में अबतक तीन फिल्में आ चुकी हैं. श्रद्धा कपूर और टाइगर श्रॉफ की फिल्म बागी साल 2016 में आई थी.

इसके बाद बागी 2 साल 2018 में आई थी, जहां टाइगर के साथ दिशा पाटनी को कास्ट किया गया था. इन दोनों की जोड़ी को भी फैंस ने काफी पसंद किया है. बागी 3 साल 2020 में आई थी, जहां टाइगर के साथ रितेश देशमुख, अंकिता लोखंडे, श्रद्धा कपूर और जयदीप अहलावत जैसे बड़े सितारे थे.

परफेक्टर फैमिली! एयरपोर्ट पर बेटी आराध्या के साथ दिखे अभिषेक-ऐश्वर्या, क्या बोले फैंस?

ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक के रिश्ते में अलगाव की खबरों के बाद से हाल ही में कपल को एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया है. हालांकि, इस फैमिली को काफी लंबे वक्त के बाद से एक साथ देखकर दोनों के ही फैंस काफी खुश हैं.

हाल ही में ऐश्वर्या राय, अभिषेक बच्चन और उनकी बेटी आराध्या को मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया. तीनों ही फैमिली वेकेशन से वापस आए हैं. हालांकि, तीनों को एक साथ काफी लंबे वक्त के बाद देखा गया जिसको देखकर उनके फैंस भी काफी खुश दिखे. सोशल मीडिया पर तीनों का साथ में एयरपोर्ट का ये वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है. लुक की बात करें, तो आराध्या और ऐश्वर्या लगभग एक जैसे ही कपड़े में कलर ट्विनिंग किए हुए दिखे.पिछले काफी वक्त से अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या के रिश्ते को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं. लेकिन, कपल को इस तरह से साथ देखने के बाद उन अफवाहों पर भी फुल स्टॉप लग गया है. एयरपोर्ट से बाहर आने तक में अभिषेक का अपनी फैमिली के लिए केयरिंग नेचर लोगों को काफी पसंद आ रहा है. साथ ही लोगों को एक्ट्रेस का सिंपल ब्लैक आउटफिट लुक भी काफी पसंद आया, जो कि लगभग आराध्या से मैच कर रहा था.

अलग होने की थी खबर

पिछले साल से ही ऐश्वर्या और अभिषेक की अलग होने की खबर सामने आ रही थी. दरअसल, दोनों के अलगाव की खबरें अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी के दौरान शुरू हुई थी. उस फंक्शन में दोनों ही स्टार अलग-अलग पहुंचे थे, जिसके बाद से ऐसी खबरें सामना आने लगी थीं. इसके अलावा ये खबर तब ज्यादा बढ़ी जब इसके फंक्शन के अलावा भी दोनों कई और इवेंट्स में अलग-अलग दिखने लगे थे. हालांकि, अब इस फैमिली को वेकेशन से आते देख अफवाहों पर रोक लग गई है.

कैसी है प्रोफेशनल लाइफ

वहीं दोनों स्टार्स के फिल्मों की बात की जाए, तो ऐश्वर्या काफी वक्त से फिल्मों से दूर हैं, वहीं अभिषेक कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं. हालांकि, फिलहाल एक्टर मोस्ट एंटीसिपेटेड फिल्म किंग की शूटिंग में बिजी हैं. इस फिल्म में शाहरुख खान हैं, साथ ही किंग खान की बेटी सुहाना खान इस फिल्म से बड़े पर्दे पर अपना डेब्यू करने वाली है. फिल्म ने अभिषेक विलेन के किरदार में नजर आने वाले हैं, जिसको लेकर उनके फैंस काफी एक्साइटेड हैं.

बुरी पिटी थी अर्जुन कपूर और

सोनाक्षी सिन्हा

की ये फिल्म, बजट निकालने में भी छूटे पसीने

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर शत्रुघ्न सिन्हा की बेटी सोनाक्षी सिन्हा ने अपने कदम हिंदी सिनेमा में सलमान खान की फिल्म ‘दबंग’ से रखे थे. 2010 की ये फिल्म हिट साबित हुई थी और पहली ही फिल्म से सोनाक्षी ने फैंस के दिल जीत लिए थे. करियर के शुरुआती दौर में एक्ट्रेस ने अच्छी खासी पहचान बनाई थी, हालांकि फिर उनके खाते में एक के बाद एक फ्लॉप फिल्में आईं और वो फ्लॉप एक्ट्रेस की लिस्ट में शुमार हो गई.दूसरी ओर अर्जुन कपूर की बात करें तो मशहूर प्रोड्यूसर बोनी कपूर के बेटे अर्जुन ने साल 2012 में अपना करियर शुरू किया था. हालांकि 12 सालों में अर्जुन कोई बड़ी पहचान नहीं बना पाए. उनका हश्र भी बॉलीवुड में सोनाक्षी की तरह ही हुआ है. दोनों कलाकार स्क्रीन भी शेयर कर चुके हैं. 10 साल पहले जब दोनों एक फिल्म में साथ दिखे थे तो उसका बुरा हाल हुआ था. पिक्चर अपना बजट भी नहीं निकाल पाई थी.

इस फिम में साथ नजर आए थे अर्जुन-सोनाक्षी

यहां हम अर्जुन कपूर और सोनाक्षी सिन्हा की जिस फिल्म की बात कर रहे हैं वो है ‘तेवर’. हालांकि फिल्म के नाम के मुताबिक दोनों ही कलाकार बॉक्स ऑफिस पर तेवर दिखाने में नाकाम रहे. ये फिल्म 9 जनवरी 2015 को रिलीज हुई थी, जिसे दर्शकों ने पूरी तरह से नकार दिया था.

बजट भी नहीं वसूल पाई फिल्म

तेवर का डायरेक्शन अमित शर्मा ने किया था. 10 साल पहले की फिल्म पर मेकर्स ने 45 करोड़ रुपये की रकम खर्च की थी. इस पिक्चर को बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत मिली थी. पहले ही दिन इसने करीब 7 करोड़ रुपये कमाए थे. दूसरे और तीसरे दिन भी कलेक्शन 7 करोड़ रुपये से ज्यादा हुआ था. हालांकि फिर भी पिक्चर बुरी तरह पिट गई थी. फिल्म ने इंडियन बॉक्स ऑफिस पर टोटल 39 करोड़ रुपये का कारोबार किया था.

अर्जुन-सोनाक्षी की फिल्में

अर्जुन ने अपने करियर में अब तक ‘की एंड का’, ‘पानीपत’, ‘नमस्ते इंग्लैंड’, ‘हाफ गर्लफ्रेंड’, ‘गुंडे’, ‘औरंगजेब’ और ‘2 स्टेट्स’ सहित कई फिल्में कीं. वहीं सोनाक्षी सिन्हा ने ‘सन ऑफ सरदार’, ‘राउडी राठौर’, ‘मिशन मंगल’, ‘दबंग 3’, ‘कलंक’, ‘नूर’, ‘अकीरा’, ‘आर राजकुमार’, ‘लुटेरा’ सहित काई फिल्मों में काम किया.

नूरपुर में भाजपा विधायक रणवीर सिंह के पोस्टर फाड़े, जन्माष्टमी पर्व समारोह से पहले राजनीतिक गलियारों में मचा हड़कंप

दिव्य दिल्ली: नूरपुर (विनय महाजन)

नूरपुर। प्रदेश स्तर पर आयोजित होने वाले जन्माष्टमी पर्व समारोह से कुछ दिन पहले नूरपुर में एक विवादास्पद घटना ने माहौल गरमा दिया है। मिनी सचिवालय नूरपुर और राजस्व विभाग कार्यालय के पटवार कार्यलय के बाहर लगाए गए भाजपा विधायक रणवीर सिंह के पोस्टर अज्ञात व्यक्तियों द्वारा फाड़ दिए गए। यह घटना न केवल भाजपा कार्यकताओं के बीच बल्कि सामाजिक क्षेत्र व राजनीतिक क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गई है। सूत्रों के मुताबिक जानकारी के अनुसार प्रदेश स्तर के इस जन्माष्टमी पर्व समारोह की तैयारियां आजकल जोर-शोर से नूरपुर मे चल रही है और इसी को लेकर शहर के प्रमुख स्थानों पर बड़े-बड़े पोस्टर और होर्डिंग्स लगाए गए थे। आज सुबह जब स्थानीय लोग और कार्यालय के कर्मचारी वहां पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि विधायक रणवीर सिंह के फोटो वाले पोस्टर फटे हुए पड़े हैं। स्थानीय नगर वासियों व भाजपा के स्थानीय कार्यकर्ताओं ने इस घटना को लेकर काफी रोष है। उनका कहना है कि विधायक सरकार का प्रतिनिधि होता हैऔर ऐसा करना न केवल विधायक का अपमान हैअपितु नूरपुर की जनता का अपमान है ' बल्कि त्योहार के माहौल को बिगाड़ने की कोशिश करने वाले ऐसे कौन लोग है? यह घटना व्यवस्था परिवर्तन करने वाली सरकार के ऐसे अधिकारीयो को भी नजर नही आई जहाँ पर हर वर्ग का व्यक्ति आता जाता है ' ऐसी चर्चा क्षेत्र में चर्चित है '

डालिका' का भव्य मंचन: कथक धरोहर और यूनिकॉच फाउंडेशन की साझी सांस्कृतिक

दिव्य दिल्ली : कत्थक धरोहर और डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र के सहयोग से दिल्ली के अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय सेंटर में चंडालिका कार्येकर्म का आयोजन किया गया जिसे परवीन शर्मा के नेतृत्व में किया गया। जिसकी शुरूआत गणेश वंदना की बेहद खूबसूरत परफॉर्मेंस से हुई। जिसके बाद एक से बढ़ कर एक पर्फोर्मेस देखने को मिली जिसे डाइरेक्ट किया सदानंद बिस्वास ने इस कार्येक्रम में मुख्य अतिथि रहे। स्वामी त्रिलोकीनाथ,परवीन शर्मा ,विवेक जोशी, अशोक गोराई और अन्य अतिथि सभी ने एक साथ मिल कर दीप प्रज्वलन किया ये कार्येक्रम रवींद्र नाथ टैगोर द्वारा लिखित असाधारण नृत्य नाटिका - चंडालिका - को प्रदर्शित करने के लिए किया गया। आपको बता दे की यूनीकोच फाउंडेशन 2014 से कत्थक सीखा रही है साथ ही उत्तरा खंड मुंबई दिल्ली जैसे शहरों से जुड़ कर साल में दो बार कार्यक्रम करती है।

न्यूज फ्लैश

15 राज्यों के 20 शहरों से आए 44 वैज्ञानिकों, डॉक्टरों और संस्थानों को उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया

दिव्य दिल्ली : नई दिल्ली

10 अगस्त – मेडिकल डायलॉग्स और नेशनल मेडिकल फोरम द्वारा आयोजित ब्लैकबक मेडिकल रिसर्च अवाड्र्स 2025 में 15 राज्यों के 20 शहरों से आए 44 वैज्ञानिकों, डॉक्टरों और संस्थानों को स्वास्थ्य सेवा नवाचार और अनुसंधान में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। होटल द ललित, नई दिल्ली में आयोजित इस प्रतिष्ठित समारोह में पायनियर रिसर्चर अवार्ड, राइजिंग रिसर्चर अवार्ड, स्टेलर रिसर्च रिकॉग्निशन और ट्रेलब्लेजर अवाड्र्स जैसी श्रेणियों में विजेताओं को चुना गया। विजेताओं में एम्स, पीजीआईएमईआर, आईसीएमआर, अपोलो हॉस्पिटल्स और मेदांता जैसे शीर्ष संस्थानों का प्रतिनिधित्व था। यह पुरस्कार भारतीय चिकित्सा शोधकताओं की दृढ़ता, अनुकूलनशीलता और चुनौतियों के बीच सफलता का प्रतीक हैं। कार्यक्रम में प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा, डॉ. बी. श्रीनिवास, प्रो. डॉ. अशोक पुराणिक और डॉ. अनिल गोयल सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। शाम के सत्र में एनबीईएमएस और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के अध्यक्ष डॉ. अभिजात शेठ ने मुख्य भाषण दिया, जबकि केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा भी मौजूद रहे। आयोजन के दौरान मेडिकल रिसर्च समिट 2025 में नैदानिक परीक्षण, अनुसंधान में एआई का उपयोग और चिकित्सा प्रकाशन पर महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किए गए। मेडिकल डायलॉग्स के अध्यक्ष डॉ. प्रेम अग्रवाल ने कहा, ब्लैकबक अवाड्र्स से हमने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान को वह सुर्खियां दी हैं, जिनका वह हकदार है।

भाजपा संगड़ाह मंडल की बैठक सम्पन्न, आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों पर हुई चर्चा

दिव्य दिल्ली: सिरमौर

भारतीय जनता पार्टी संगड़ाह मंडल की एक महत्वपूर्ण बैठक विश्राम गृह संगड़ाह में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष बलवीर सिंह ठाकुर ने की और इसमें विशेष रूप से भाजपा ज़िला सिरमौर अध्यक्ष धीरज गुप्ता व ज़िला सचिव ज्ञान उपस्थित रहे। बैठक में आगामी राष्ट्रीय व संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई और तय किया गया कि 13 अगस्त को शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि एवं स्वच्छता अभियान, 14 अगस्त को भारत विभाजन की पीड़ा को याद करते हुए काला दिवस और 15 अगस्त को हर घर तिरंगा यात्रा आयोजित की जाएगी। ज़िला अध्यक्ष धीरज गुप्ता ने कहा कि भाजपा एक संगठनात्मक शक्ति है और अनुशासन व समर्पण के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर बलवीर ठाकुर, प्रताप तोमर, नारायण सिंह, सुंदर सिंह, मेला राम शर्मा, विनय छिन्टा व अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। विनय छिन्टा ने युवाओं से राष्ट्र सेवा के लिए सदैव तैयार रहने का आान किया। कार्यक्रम का उद्देश्य देशभक्ति की भावना को प्रबल करना और समाज में एकता व राष्ट्र निर्माण के प्रति जागरूकता लाना है।

प्रदेश के लाहडू गांव में 200 के लगभग औषधियुक्त पौधे बांटे

दिव्य : नूरपुर (विनय महाजन)

नूरपुर अर्जुन 'सेव अर्थ' फाउंडेशन, एक ऐसी संस्था जिसका मुख्य उद्देश्य पृथ्वी को फिर से हरा-भरा बनाना है ताकि मानव और अन्य सभी जीव स्वच्छ वातावरण में रहते हुए शुद्ध प्राणवायु लेकर जीवन जी सकें। इसी को ध्यान में रखते हुए संस्था द्वारा भटियात विधानसभा क्षेत्र के चुबाडी उप मंडल के गांव लाहडू में एक संवाद कार्यक्रम का आयोजन करवाया गया जिसमें मोरिंगा सहित औषधीय पौधों के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी स्थानीय लोगों के साथ सांझा की गई। संस्था के निदेशक बृजेश पठानिया ने अपनी संस्था के द्वारा चलाए जा रहे बहुआयामी कार्यों के स्वरूप को सामने रखते हुए बताया कि उनकी संस्था ही आत्मनिर्भर बनते हुए युवा पीढ़ी के लिए रोजगार की संभावनाएं बढ़ाने हेतु प्रयासरत है।

पावर कॉम कर्मचारियों ने संयुक्त फोरम के आहवन पर विशाल रोष प्रदर्शन किया

दिव्य दिल्ली: पठानकोट (करूनीत रंधावा)

रणजीत सागर बांध परियोजना पर कार्यरत पावर कॉम कर्मचारियों की ओर से अपनी उचित मांगों के समाधान के लिए तीन दिवस का सामूहिक अवकाश ले कर आज दूसरे दिन संयुक्त फोरम के आदेश अनुसार, शाहपुर कंडी में जनरेशल हल्का के कार्यालय के बाहर अपनी मांगों को लेकर विशाल रोष प्रदर्शन व रोष रैली की। इस रोष रैली में पावर कॉम कर्मचारियों ने पंजाब सरकार व पावर कॉम प्रबंधन की कार्यशैली के प्रति भारी नाराजगी जताई तथा पुतला फूंक कर अपना विरोध व्यक्त किया। कर्मचारी नेता कपिल देव, राम दित्ता, युद्धवीर सिंह, लाल प्रताप, निशा कांत, अनिल कुमार, राकेश कुमार, चंचल सिंह, कुलदीप सिंह, नवीन शर्मा, स्वर्ण मसीह, गुरनाम सिंह व अन्य कर्मचारी नेताओं ने कहा कि पंजाब सरकार व पावर कॉम प्रबंधन उनके कर्मचारियों की मानी हुई उचित मांगों को लागू नहीं कर रही है, जिसकारण उनके फोरम को विवश हो कर संघर्ष का रास्ता अपनाना पडा है। इसके साथ फोरम ने आरोप लगाया कि पावर कॉम प्रबंधन कर्मचारियों को अलग अलग तरीकों से डराने का कार्य भी कर रही है,परंतु उनके समूह कर्मचारी एकजुट हो कर इसका कडा विरोध कर रहे है।

फोरम ने कहा कि पावर कॉम प्रबंधन, उनके कर्मचारियों का लगातार आर्थिक शोषण भी कर रही है, जिसके तहत वर्ष 2004 के बाद भर्ती हुए कर्मचारियों को पुरानी पैशन स्कीम का लाभ न देना,खाली पडी पोस्टों को न भरना, कार्यरत कर्मचारियों से अधिक काम लेना, कर्मचारियों के बनते भत्ते न बहाल न करना,एक जनवरी 2016 से पहले भर्ती हुए कर्मचारियों को पूरा पे बैंड न देना, डीए की किश्तों को रिलिज न करना व अन्य कई मांगों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने पावर कॉम व पंजाब सरकार को चेतावनी दी है कि यदि शीध्र ही उनकी मानी हुई उचित मांगों को लागू नहीं किया गया तो, वह अपने संघर्ष को और भी तेज करने से पीछे नहीं हटेगें

कोपरा पंचायत में 1500 पौधों का मुफ्त वितरण, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा

दिव्य दिल्ली : नूरपुर (विनय महाजन)

कोपरा पंचायत में आज एक भव्य पौधरोपण प्रदर्शनी और 1500 पौधों के मुफ्त वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एसडीएम नूरपुर अरुण शर्मा, नूरपुर पर्यावरण संरक्षण समिति (ठएऋ्र) के अध्यक्ष स्किंदर राणा, ग्राम पंचायत कोपरा की प्रधान श्रीमती मीना रानी, पूर्व प्रधान कुशल बादवाल, उप-प्रधान श्री सुरिंदर बादवाल, तथा अर्जुन सेव अर्थ फाउंडेशन के निदेशक श्री बृजेश पठानिया उपस्थित थे। इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे।कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना तथा पौधरोपण के महत्व को जन-जन तक पहुंचाना था। मुख्य अतिथि अरुण शर्मा ने कहा कि पौधे न केवल पर्यावरण को स्वच्छ और स्वस्थ बनाते हैं, बल्कि किसानों की प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने में भी सहायक हैं। अर्जुन सेव अर्थ फाउंडेशन के निदेशक बृजेश पठानिया ने पौधरोपण को किसानों के लिए आय का अतिरिक्त स्रोत बताया।कोपरा पंचायत की प्रधान मीना रानी ने पंचायत द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी, जबकि अध्यक्ष स्किंदर राणा ने इसे सामुदायिक आंदोलन बनाने पर बल दिया।प्रदर्शनी में फलदार, छायादार, और औषधीय पौधों की जानकारी दी गई और उत्साहपूर्वक भागीदारी हुई।

कंदोर पंचायत में दो दुधारू भैंसों की चोरी

दिव्य दिल्ली: भरमाड़ (राजेश कतनौरिया)।

बिकास खंड फतेहपुर की ग्राम पंचायत कंदोर मैं गत रात्रि दो भैंसे चोरी होने का मामला प्रकाश मैं आया है ! भैंस के मालिक राम लाल सुपुत्र संत राम वार्ड नं 3 के निवासी नै बताया कि हम गांववासी कई बर्षों से अपने पशुओं को बरसात के मौसम मैं नर्सरी मैं बांधते आये है ! लेकिन आज तक कभी दुधारू पशुओं का चोरी होने का मामला नहीं हुआ था।

मुबारकपुर में 13 अगस्त को भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन, पूर्व विधायक चैतन्य शर्मा करेंगे अगुवाई

दिव्य दिल्ली: दौलतपुर

गगरेट व दौलतपुर मंडल संयुक्त रूप से 13 अगस्त को एक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन करने जा रहे हैं। यह यात्रा शाम 4:00 बजे हनुमान मंदिर, मुबारकपुर से प्रारंभ होकर मुबारकपुर चौक तक निकाली जाएगी। इस आयोजन की अगुवाई पूर्व विधायक चैतन्य शर्मा करेंगे। मीडिया प्रभारी प्रिंस सुधेरा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस तिरंगा यात्रा का उद्देश्य स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाना और लोगों में राष्ट्रप्रेम की अलख जगाना है। उन्होंने कहा कि यात्रा में भाजपा के दोनों मंडलों के अध्यक्ष – अजय ठाकुर (दौलतपुर) और नितिन ठाकुर (गगरेट) सहित सभी पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। आयोजकों के अनुसार यात्रा के दौरान राष्ट्रीय ध्वज के साथ देशभक्ति के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठेगा।

स्थानीय नागरिकों से भी इसमें शामिल होकर देशभक्ति के इस माहौल को और भव्य बनाने की अपील की गई है।

Jolly LLB 3 का टीजर रिलीज

दिव्य दिल्ली : देश की सबसे पॉपुलर कॉमेडी फ्रेंचाइजी Jolly LLB लौट आई है अपने तीसरे और अब तक के सबसे धमाकेदार राउंड के साथ झ्र और टीजर भी रिलीज हो चुका है। इस हंसी-ठहाकों से भरे टीजर में, जज त्रिपाठी (सौरभ शुक्ला) एक बार फिर फंस गए हैं दो जॉली के बीच झ्र तीखी जुबान वाले जॉली मिश्रा (अक्षय कुमार) और जुगाड़ू जॉली त्यागी (अरशद वारसी)। आगे शुरू होता है ताबड़तोड़ जवाब, नोक-झोंक और मस्त-मजेदार कोर्टरूम हंगामा जिसमें दोनों जॉली एक-दूसरे से जुबानी बाजी मारने में जुटे हैं, और त्रिपाठी साहब की सहनशक्ति बस धागे पर लटकी है। स्टार स्टूडियो18 की पेशकश, सुभाष कपूर लिखित और निर्देशित, तथा आलोक जैन व अजीत अंधारे निर्मित इस फिल्म में अक्षय कुमार, अरशद वारसी, सौरभ शुक्ला, हुमा कुरैशी, अमृता राव और गजराज राव नजर आएंगे। तैयार हो जाइए जॉली श्र जॉली और जज त्रिपाठी के अब तक के सबसे बड़े सिरदर्द के लिए - फिल्म सिनेमाघरों में 19 सितंबर 2025 को रिलीज होगी।

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर सोलन में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

दिव्य दिल्ली: सोलन

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर हिमाचल ज्ञान विज्ञान समिति द्वारा साईं संजीवनी हॉस्पिटल, सोलन में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन बड़े उत्साह और ऊर्जा के साथ किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रहने और एक सशक्त समाज निर्माण में उनकी भूमिका के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर बाल विकास परियोजना अधिकारी श्रीमती कविता गौतम, हिमाचल ज्ञान विज्ञान समिति के श्री बी.एस. पंवार, सेवानिवृत्त अभियंता श्री जोगिंदर चौहान, एडवोकेट श्री भुवन, श्री वरुण, श्रीमती उर्मिल, कॉलेज के चेयरमैन डॉ. संजय अग्रवाल, साईं संजीवनी इंस्टीट्यूट की मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. सविता अग्रवाल, प्राचार्या सुश्री दिव्या वर्मा सहित शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ह्लयुवा बचाओ, भविष्य बचाओह्व विषय पर युवाओं को जागरूक किया गया। युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए इससे संबंधित वेब सीरीज द व्हाइट टुथ का ट्रेलर भी प्रदर्शित किया गया, जिसे उपस्थित जनों ने सराहा। मुख्य अतिथियों और समिति सदस्यों ने युवाओं को नशे के दुष्परिणामों, इसके लक्षणों एवं इससे बचाव के उपायों की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में डॉ. संजय अग्रवाल ने सभी अतिथियों, आयोजकों एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि संस्था के विद्यार्थी स्वयं तो नशे से दूर रहेंगे ही, साथ ही समाज में भी इसके खिलाफ जागरूकता फैलाएँगे। डॉ. सविता अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा, युवा ही देश का भविष्य हैं, और एक नशामुक्त युवा ही सशक्त भारत की नींव रख सकता है। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे इस मुहिम को अपने-अपने क्षेत्रों में आगे बढ़ाएँ। कार्यक्रम का समापन वेब सीरीज के ट्रेलर के प्रेरणादायक संदेश और नशामुक्त भारत के संकल्प के साथ किया गया।

महाविद्यालय में एंटी रैगिंग और नशा मुक्ति पर कार्यक्रम

दिव्य दिल्ली: नगरोटा सूरियां (प्रेम स्वरूप शर्मा)

राजकीय महाविद्यालय नगरोटा सूरियां मे आज दिनाँक 12/08/2025 को राष्ट्रीय एंटी-रैगिंग और नशा मुक्ति दिवस मनाया गया। इस उपलक्ष पर सर्वप्रथम सभी छात्रों को रैगिंग की समस्या और उसकी रोकथाम पर सहायक प्राध्यापक युवराज के द्वारा व्याख्यान के माध्यम से छात्रों को जागरूक किया गया। इसके उपरांत महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. उपेन्द्र शर्मा के द्वारा सभी छात्रों को सम्बोधित किया गया। उन्होंने छात्रों को रैगिंग के विरुद्ध अपनी आवाज बुलंद करने के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय मे आज से ही एंटी रैगिंग सप्ताह भी प्रारम्भ हुआ जो 18 अगस्त 2025 तक मनाया जाएगा जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया जाएगा। कार्यक्रम के दूसरे भाग में नशा मुक्ति पर सभी विद्यार्थियों ने शपथ ग्रहण की। महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ राजेश कुमार ने छात्रों को प्रतिज्ञा दिलवाई। विद्यार्थियों ने स्वयं नशा न करने और समाज में भी जागरूकता फैलाने की शपथ ली।

जवाली में भाजपा की तिरंगा यात्रा बनी चर्चा का विषय

दिव्य दिल्ली: जवाली(ऊषा जरियाल)

जवाली विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत जवाली भाजपा मंडल द्वारा जिला अध्यक्ष राजेश काका ब पूर्व प्रत्याशी की अध्यक्षता के नेतृत्व में भाजपा कार्यकताओं व पदादिकारीयों द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली गई। यह यात्रा जवाली से केहरियां चौकं तक निकाली गई। मंडल अध्यक्ष व पदाधिकारी भी मौजूद रहे। परन्तु जवाली के बुद्धिजीबीयों का कहना है की इस रैली में पदादिकारी ज्यादा और कार्यकर्त्ता कम होने से यह तिरंगा यात्रा जवाली भाजपा मण्डल की टाय टाय फीस यात्रा सिद्ध हुई जिसका हर कोई उपहास कर रहा है बुद्धिजीवीयों का कहना है की इस तिरंगा यात्रा से आभास हो रहा है की जवाली में भाजपा का गिरता ग्राफ नजर आ रहा है जिसका जवाली कांग्रेस को आने बाले समय में बहुत बड़ा फायदा होता नजर आता दिख रहा है।

केबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक माता नागिनी तथा माता शीतला मंदिर में टेका माथा

दिव्य दिल्ली: पठानकोट (करुनीत रंधावा)

केबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक गत दिवस शाम को प्रचीन माता नागिनी मंदिर तथा माता शीतला मंदिर पक्का टाला कंडवाल माथा टेकने पहुंचे। उन्होंने यहां दोनों देवियों को माथा टेक कर राज्य की तरक्की और लोगों की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। वहीं श्रद्धालुओं को नागिनी माता के चल रहे पर्व की शुभकामनाएं दी। इससे पहले माता नागिनी मंदिर पहुंचने पर मंदिर कमेटी के अध्यक्ष हरि सिंह,उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह,सचिव किशोरी लाल,कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश आदि ने केबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक को समृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। माता नागिनी को नमन करते समय मंदिर पुजारी अजय शर्मा ने भी केबिनेट मंत्री के गले में दुपटा डाल की माता का अशीर्वाद प्रदान करवाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह इस पावन धरती पर पंजाब की तरक्की और खुशहाली के लिए मां नागिनी व मां शीतला का आशीर्वाद लेने आए हैं। यह वे पवित्र दिन हैं, जब श्रद्धा और उत्साह होता है क्योंकि श्रद्धालु माता नागिनी मंदिर तथा माता शीतला नमन करते हैं।

भाजपा विपक्ष की आवाज दबा रही, जयराम ठाकुर कर रहे झूठी बयानबाजी: अनीता वर्मा

दिव्य दिल्ली : हमीरपुर

पूर्व राष्ट्रीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अनीता वर्मा ने हमीरपुर में पत्रकार वार्ता के दौरान केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा सत्ता में बने रहने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है और विपक्ष की आवाज दबाने का काम कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है और हाल ही में बिहार में वोटर लिस्ट में की गई गड़बड़ियों के पीछे भी यही मंशा है। अनीता वर्मा ने कहा कि मुस्लिम समुदाय के वोटों को जानबूझकर हटाया गया, जिसे लेकर विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग का घेराव किया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और विपक्षी नेताओं द्वारा दी गई गिरफ्तारियाँ जनहित के लिए उठाया गया साहसिक कदम है। साथ ही, उन्होंने हिमाचल प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर की आलोचना करते हुए कहा कि प्रदेश पुलिस ने हालिया अपहरण मामले में 6 घंटे के भीतर बच्चों को ढूंढ निकाला, जो एक बड़ी सफलता है, और जयराम ठाकुर को पुलिस का मनोबल तोड़ने की बजाय उसकी सराहना करनी चाहिए।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397